www.dainikjayantnews.com

देहरादून (गैरसैंण),

सोमवार : 25 मई 2026

वर्षः 17

अंकः 32 पृष्ठः 6

मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मैं आयरन लेडी, लापरवाही बिल्कुल नहीं होगी बर्दाश्त

मायावती की कार्यकर्ताओं को चेतावनी, मुस्तैद रहो

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर लखनऊ में रविवार को बड़ी बैठक की। पार्टी नेताओं से सख्त लहजे में कहा- चुनाव की तैयारी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पार्टी संगठन को और ज्यादा चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद रहने की जरूरत है। विरोधी दलों की हर चाल का पूरी मजबूती से जवाब

देना होगा। मायावती ने यूपी की जनता से अपील की कि बसपा और उसके आयरन लेडी नेतृत्व पर फिर से भरोसा करना होगा। विरोधी दलों की संकीर्ण और छलावापूर्ण राजनीति से बचना होगा। 5वीं बार बसपा की सरकार बनानी होगी। बैठक में बूथ स्तर से लेकर जिला, विधानसभा और प्रदेश स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने अपनी-अपनी रिपोर्ट पेश की।

धन्नासेठों के पक्ष में बनी नीतियों से जनता को नुकसान हो रहा

मायावती ने कहा- देश के मौजूदा राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक हालात ठीक नहीं हैं। बड़े-बड़े पूंजीपतियों और धन्नासेठों के पक्ष में बनी नीतियों से आम लोगों को नुकसान हो रहा है। सरकारों को अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। जनता के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए।

मोदी सरकार में पहली बार हुआ मंत्रियों का रिव्यू

- ‘संतोषजनक’ रेटिंग के बाद हरकत में आए मिनिस्टर्स

फाइलें लंबित न रहें और शिकायतें सुलझनी चाहिए

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल प्लेटफॉर्म, डेटा शेयरिंग, डेटा-बेस्ड डिसीजन लेने और मंत्रालयों के बीच सहयोग जैसे अन्य क्षेत्रों ने भी सरकार की रिपोर्ट कार्ड प्रक्रिया में भूमिका निभाई। सूत्रों ने बताया कि सरकार ने मंत्रालयों से कहा है कि फाइलें लंबित नहीं रहनी चाहिए और शिकायतें भी अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। पीएम मोदी ने मंत्रालयों को विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने और प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रालयों का रिव्यू किया गया, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर कई मंत्रालयों को संतोषजनक श्रेणी में रखा गया है। इस मूल्यांकन का खास महत्व है क्योंकि सरकार की ओर से जब भी कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा तो मंत्रालयों का यही रिपोर्ट कार्ड निर्णायक साबित होगा। एनडीटीवी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बैठक की, जिसमें कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने सरकार के सभी मंत्रालयों के कामकाज पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। मंत्रालय को मूल्यांकन का मुख्य पैमाना मंत्रियों की ओर से शिकायत का निवारण और फाइलों के निपटारे दिखाई गई फुर्ती थी।

- *मुंबई में भोपाल-इंदौर की जरूरत से ज्यादा पानी बर्बाद; इंदौर में 65 फीसदी पानी लीकेज*

देश के बड़े शहरों में 25-60 फीसदी तक की पानी बर्बादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के लगभग सभी बड़े शहरों में 25-60 फीसदी तक पानी बर्बाद हो रहा है। या तो पेयजल लाइनों में बड़े लीकेज हैं या फिर पाइपलाइन में अवैध कनेक्शन जोड़ लिए गए हैं। हालात ये हैं कि मुंबई को रोज लगभग 3,850 एमएलडी (मिलियन लीटर रोज) पानी सप्लाई होता है। इसमें से करीब 30 फीसदी लीकेज माना जाता है। रोज लगभग 1000 एमलडी पानी पाइपलाइन लीकेज व अन्य तरह से बेकार जा रहा है। ये बर्बाद पानी इंदौर-भोपाल की कुल रोजाना जरूरत से भी ज्यादा है। इन दोनों शहरों को रोज 900 एमएलडी ही पानी चाहिए। स्मार्ट सिटी और अमृत 2.0 जैसी परियोजनाओं के तहत

2016 में शहरी निकायों ने सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन (एससीएडीए) प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसके तहत लीकेज और चोरी वाले नॉन रिवेन्यू वाटर (एनआरडब्ल्यू) को घटाकर 20 फीसदी पर लाने का लक्ष्य था। इस प्रोजेक्ट के तहत पिछले 10 साल में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, फिर भी हालात नहीं बदले। भोपाल-इंदौर जैसे शहरों में पानी का लीकेज 35-65 फीसदी तक है। भोपाल ने पेयजल लीकेज 16 फीसदी करने का दावा किया था।

देश में पानी पर कहां-कितना खर्च

इंदौर में जलूद से नर्मदा जल 70 किमी दूर शहर तक लाने और इसे 600 मीटर की ऊंचाई तक पंप करने पर प्रति हजार लीटर 29 रु. खर्च आता है। इसमें हर माह बिजली बिल ही 25 करोड़ का है। 65 फीसदी पानी की बर्बादी के हिसाब से 15 करोड़ का नुकसान हो रहा है। मुंबई में 16,092 करोड़ खर्च करके जो पानी पहुंचाया जा रहा है, उसमें से करीब 4,500 करोड़ लीकेज और चोरी के कारण बर्बाद हो रहा है। बेंगलुरु में पानी सप्लाई का सालाना खर्च 10 हजार करोड़ रु. है। लीकेज 35 फीसदी है। मतलब 3,500 करोड़ की बर्बादी। देश के प्रमुख 166 जलाशयों में 33 फीसदी ही पानी है। पर शहर में रोजाना जरूरत बढ़ चुकी है।

देहरादून में 103 होम स्टे पर सख्त एक्शन, रजिस्ट्रेशन कैंसिल

देहरादून। देहरादून जिला प्रशासन ने रविवार को नियमों का उल्लंघन करने पर 103 होम स्टे का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया। निरीक्षण के दौरान होम स्टे सुरक्षा से जुड़े नियमों और अन्य जरूरी गाइडलाइन का उल्लंघन करते पाए गए। जिला प्रशासन ने ये एक्शन विशेष तौर पर सहसपुर और रायपुर एरिया में मौजूद होम स्टे पर लिया है। 'ऑपरेशन सफाई' के तहत पांच मजिस्ट्रेट टीमों ने पूरे जिले मे 153 होम स्टे का मुआयना किया था। उत्तराखंड होमस्टे नियमों के उल्लंघन के बाद ये कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने कार्रवाई चरणबद्ध तरीके से की है। पहले चरण में 17 रजिस्ट्रेशन, दूसरे में 79 तो तीसरे चरण में 7 होम स्टे का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया। इसके साथ ही प्रशासन नियमों का पालन न करने वाली इन प्रॉपर्टी को राज्य की आधिकारिक टूरिज्म वेबसाइट से हटाने की प्रकिया भी शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक, मालिक इन प्रॉपर्टीज का इस्तेमाल होम स्टे के बजाय कमर्शियल होटल के तौर पर कर रहे थे। इनमें से कई प्रॉपर्टीज को लीज पर दे दिया गया था और मालिक की अनिवार्य उपस्थिति के बिना इनका संचालन किया जा रहा था। शहर में हाल के दिनों में बढ़ते अपराध जैसे नशे में गाड़ी चलाना, तेज गति से वाहन चलाना और सार्वजनिक स्थानों पर हथियार चलाने के मामले सामने आने के बाद यह एक्शन लिया गया है।' जांच में सामने आया कि इन होम स्टे में अवैध रूप से चौबीसों घंटे चलने वाले बार का संचालन हो रह था और तेज म्यूजिक भी बजाया जा रहा था। इन्हें एक तरह से 'गैरकानूनी गतिविधियों' में तब्दील कर दिया गया था। इन होम स्टे में स्थानीय संस्कृति और व्यंजनों को बढ़ावा नहीं दिया जा रहा था जबकि होम स्टे का मूल उद्देश्य ही यह है। इसके साथ ही अधिकतम स्वीकृत संख्या से ज्यादा कमरों का संचालन किया जा रहा था। कुछ होम स्टे तो नीरक्षण के दौरान ऐसे भी थे जिनका इस्तेमाल व्यावसायिक विवाह स्थलों के तौर पर किया जा रहा था।

पुतिन के ‘ब्रह्मास्त्र’ से दहल गई यूक्रेन की राजधानी

रूस ने चलाई परमाणु हमला करने में सक्षम ओरेशनिक मिसाइल

कीव (एजेंसी)। रूस ने शनिवार और रविवार की दरमियानी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया है। स्थानीय अधिकारियों ने शुरुआती आंकड़ों में बताया है कि कम से कम 4 लोग मारे गए हैं, जबकि 80 से ज्यादा घायल हुए हैं। रात पर कीव में हवाई हमले के सायरन बजते रहे और हमलों से पूरी राजधानी में धुआं उठता दिखा।

रूस पर हमले का लिया बदला

रूस ने यूक्रेन के ड्रोन हमले के जवाब में शनिवार और रविवार की रात कीव पर कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कीव के ऊपर मिसाइलों और ड्रोन की बौछार कर दी, जिससे शहर के मध्य में स्थित सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारतें प्रभावित हुई।

रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की और बढ़ेगी हिस्सेदारी

राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान, कहा-इसे 50 प्रतिशत तक करेंगे

अहिल्यानगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शिर्डी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एनआईबीई ग्रुप की रक्षा उत्पादन इकाई का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जो भारत कभी हथियारों का आयातक माना जाता था, उसे अगले 25-30 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बनने से अब कोई ताकत नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि सरकार रक्षा उत्पादन में निजी कंपनियों की हिस्सेदारी 50 फीसदी तक बढ़ाना चाहती है। राजनाथ सिंह ने महाराष्ट्र

के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ पूरी फैक्ट्री का निरीक्षण किया और भारत के पहले 300 किलोमीटर रेंज वाले यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम ‘सूर्यास्त्र’ को हरी झंडी दिखाई। बाद में दोनों नेताओं ने शिर्डी साईं बाबा मंदिर में दर्शन भी किए।

200 एकड़ में बना कॉम्प्लेक्स, 2 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा

NIBE ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गणेश निबे के मुताबिक, शिर्डी की यह यूनिट 200 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है। इससे करीब 2,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है और क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। यहां तैयार रक्षा उपकरणों का निर्यात दूसरे देशों में किया जाएगा। अहिल्यानगर जिले में स्थित यह इकाई आर्टिलरी बम शेल का निर्माण करेगी और एयरोस्पेस क्षेत्र को भी सहयोग देगी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्याओं की होगी मुश्किल!

पश्चिम बंगाल में डिपोर्टेशन के लिए बनेंगे होल्डिंग सेंटर

शुभेंदु सरकार का बड़ा ऐलान, सभी डीएम को दिया आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने अवैध घुसपैठ पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रदेश सरकार ने सभी जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को पकड़ने के बाद उन्हें होल्डिंग सेंटर में रखा जाए और फिर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंपा जाए। इससे पहले मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि राज्य में कोई स्थायी ‘डिटेंशन कैंप’ नहीं बनाए जा रहे हैं, बल्कि निर्वासन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए अस्थायी हिरासत केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा रुख बिल्कुल साफ है- पहचान करो, सूची से हटाओ और बाहर निकालो।

पता लगाओ, हटाओ और निर्वासित करो नीति

सरकार के आधिकारिक निर्देश के अनुसार, 31 दिसंबर 2024 के बाद भारत में घुसे अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या अप्रवासियों की पहचान होने पर उन्हें निर्वासन तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। जिलाधिकारियों को तत्काल ऐसे केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बंग भवन में मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के विपरीत, वर्तमान भाजपा सरकार घुसपैठियों को कोई शरण, आर्थिक मदद, आवास, स्वास्थ्य सुविधा या कानूनी सहायता नहीं देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में अवैध अप्रवासन पर केंद्रीय कानूनों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

केंद्रीय अधिसूचना के अनुरूप कार्रवाई

बताया जा रहा है कि यह निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय की 2 मई 2025 की अधिसूचना के आधार पर जारी किया गया है। सुधार गृहों से रिहा विदेशी नागरिकों को भी आगे की कार्रवाई तक होल्डिंग सेंटर में रखा जाएगा। दोषी पाए गए घुसपैठियों को सीधे बीएसएफ के हवाले कर दिया जाएगा। बीएसएफ बाद में इनकी निर्वासन प्रक्रिया पूरी करेगा। वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत आने वाले और 31 दिसंबर 2024 से पहले राज्य में प्रवेश कर चुके व्यक्तियों को कानूनी नागरिकता देने पर विचार किया जाएगा। हालांकि, इस दायरे से बाहर पड़ोसी देशों से अवैध रूप से आए लोगों पर निर्वासन की कार्रवाई होगी। वहीं, सरकार के इस फैसले से पूरे प्रदेश में आव्रजन, नागरिकता और मानवाधिकारों को लेकर तीखी राजनीतिक व कानूनी बहस शुरू होने की आशंका है। विपक्षी दलों ने पहले ही इस नीति पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। बता दें कि चुनाव प्रचार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, जिसे अब भाजपा सरकार अमल में ला रही है।

आतंक के मुद्दे पर भारत को मिला यूएस का साथ

जयशंकर और रुबियो की बैठक से पाकिस्तान को मिला सख्त मैसेज

ई दिल्ली (एजेंसी)। भारत विदेश मंत्री एस. जयशंकर र भारत दौरे पर आए अमेरिकी देश मंत्री मार्को रुबियो के बीच निवार को नई दिल्ली के राबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल र की एक अत्यंत महत्वपूर्ण ठक हुई। इस बैठक में दोनों ओं ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को क व्यापक वैश्विक रणनीतिक झेदारी बताते हुए रक्षा, व्यापार, र्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। मेरिकी विदेश मंत्री के रूप में र्को रुबियो की यह पहली भारत त्रा है। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के रान दोनों नेताओं ने आतंकवाद र मिडिल के मौजूदा संकट हेत कई वैश्विक मुद्दों पर लकर चर्चा की। बैठक के बाद

मीडिया को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों के बीच सहयोग को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के हित समान हैं, लेकिन चुनौतियां भी साझा हैं। इनमें सबसे बड़ी साझा चुनौती आतंकवाद है। इस मामले में हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। हम इस क्षेत्र में दोनों देशों की संबंधित एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग की सराहना करते हैं। भू-राजनीतिक तनाव के बीच दोनों नेताओं की बातचीत का एक बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया (मिस्र, इजरायल आदि) और खाड़ी देशों के घटनाक्रमों पर केंद्रित रहा। जयशंकर ने संकेत दिया कि दोनों पक्षों ने दूतावास में पश्चिम एशिया के परिप्रेक्ष्य पर चर्चा की और दोपहर के भोजन के दौरान खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर विस्तार से बात की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका, ईरान और अन्य क्षेत्रीय देशों के बीच पर्दे के पीछे बड़ी कूटनीतिक हलचल चल रही है।

अमेरिका-ईरान वार्ता पर रुबियो का बड़ा बयान

अपनी भारत यात्रा के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान से जुड़ी कूटनीतिक कोशिशों पर संवाददाताओं से बात की। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका का रुख साफ है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। रुबियो ने खुलासा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत में कुछ प्रगति हुई है और आने वाले दिनों में कुछ बड़े घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बिना किसी टोल या टैक्स के अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए खुला रहना चाहिए। दोनों देशों ने माना कि भारत-अमेरिका के संबंध अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ता है। एस. जयशंकर ने कहा, हमारी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का सीधा सा मतलब यह है कि हमारा सहयोग बेहद गहरा और व्यापक है। यह एक ऐसा रिश्ता है जो दुनिया के अन्य क्षेत्रों को भी प्रभावित करता है। कई मुद्दों पर हमारे हित एक जैसे हैं। भले ही यह दौर जटिलताओं से भरा है, लेकिन मजबूत साझेदार के रूप में मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी चर्चाएं बेहद उपयोगी रहेंगी।

ईरान की धमकी, संवर्धित यूरेनियम किसी को नहीं देंगे

- डील फाइनल होने की चर्चा के बीच दिखाए तेवर, परमाणु मुद्दे पर झुकने से इनकार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने से इनकार कर दिया है। ईरान ने कहा है कि उसका परमाणु मुद्दा अमेरिका के साथ प्रारंभिक समझौते में शामिल नहीं है। ईरान की ओर से रविवार को यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ घंटे पहले ही अमेरिकी मीडिया में दावा किया गया था कि तेहरान अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम स्टॉक अमेरिका को सौंपने के लिए तैयार हो गया है। रॉयटर्स ने एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र के हवाले से बताया है कि तेहरान ने अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को सौंपने पर सहमति नहीं दी है। सूत्र ने कहा कि ईरान का परमाणु मुद्दा, अमेरिका के साथ हुए शुरुआती समझौते का हिस्सा नहीं था। परमाणु मुद्दे पर अंतिम समझौते के लिए होने वाली बातचीत में चर्चा की जाएगी। यह मौजूदा सौदे का हिस्सा नहीं है।

हरिद्वार में नव निर्मित आनंद धर्मशाला ट्रस्ट का हुआ लोकार्पण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में आनंद धर्मशाला ट्रस्ट द्वारा निर्मित धर्मशाला के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा इस अवसर पर आनंद धर्मशाला ट्रस्ट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षत्रिय कलौता समाज ने सदैव अपने परिश्रम, साहस और संस्कारों के बल पर समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि खेती, व्यापार, शिक्षा, समाज सेवा तथा देश की सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में इस समाज के लोगों ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा अन्य सुरक्षा बलों में सेवाएं देकर समाज के वीर सपूत राष्ट्र की सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बना रहे हैं। उन्होंने आनंद धर्मशाला ट्रस्ट द्वारा धार्मिक जागरण, सांस्कृतिक संरक्षण और मानव कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आनंद धर्मशाला सेवा, समर्पण और परोपकार की भावना का सजीव प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार भारत की आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति का प्रवेश द्वार है, जहां देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु माँ गंगा की गोद में आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धर्मशाला का निर्माण पुण्य और सराहनीय कार्य है तथा यह आगामी कुंभ और चारधाम यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2027 में

आयोजित होने वाले हरिद्वार कुंभ को भव्य, दिव्य और सुरक्षित बनाने के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि घाटों के पुनरुद्धार, सड़क व्यवस्था, स्वच्छता, यातायात और मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु तेजी से कार्य किए जा रहे हैं, ताकि हर श्रद्धालु को सुव्यवस्थित और सुरक्षित अनुभव प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सनातन संस्कृति को वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम पुनर्विकास, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल लोक जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड में भी केदारखंड एवं मानसखंड क्षेत्रों के प्राचीन मंदिरों के पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण के कार्य निरंतर प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, सनातन मूल्यों और सामाजिक समरसता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता लागू कर सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। उन्होंने इसे मातृशक्ति के सम्मान और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निर्धारित स्थलों पर ही धार्मिक आयोजन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार पतित पावनी माँ गंगा करोड़ों श्रद्धालुओं को आस्था, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती हैं, उसी प्रकार आनंद धर्मशाला भी आने वाले समय में श्रद्धालुओं, जरूरतमंदों और समाज के लिए सेवा, सहयोग और सुविधा का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। इस अवसर पर हरी चेतना नन्द महाराज महामंडलेश्वर, कैलाश विजयवर्गीय मंत्री नागरिक प्रशासन मध्य प्रदेश, विनय रोहिला उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन, विशाल पटेल पूर्व विधायक देपालपुर इन्दौर,उप जिलाधिकारी हरिद्वार जितेन्द्र कुमार, योगेश मेहरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए ट्रस्टी एवं श्रद्धालू मौजूद रहे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

देहरादून। द एशियन स्कूल में 22वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2025– 26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अधिकारी सीबीएसई मनोज कुमार गुप्ता ने किया। इस वर्ष कुल 706 विद्यार्थियों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इनमें 201 विद्यार्थियों को गवर्नर पुरस्कार, 281 को प्रिंसिपल पुरस्कार, 123 को शिक्षक पुरस्कार, 76 को कक्षाध्यापक पुरस्कार, 20 को शत–प्रतिशत उपस्थिति पुरस्कार और 5 विद्यार्थियों को कथा लेखन कौशल पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय के निदेशक प्रधानाचार्य अनंत विजय दत्त थपलियाल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न और कलर्स विद्यालय पत्रिका भेंट कर उनका सम्मान किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि मनोज कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि परिश्रम, आत्मविश्वास और अनुशासन सफलता की कुंजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

वीकेंड पर पर्यटकों से गुलजार हुआ चकराता

विकासनगर। तपती धूप और मैदानी इलाकों में लगातार बढ़ रहे तापमान से राहत पाने के लिए इन दिनों पहाड़ों का रुख करने वाले पर्यटकों की पहली पसंद चकराता बनता जा रहा है। रविवार को वीकेंड पर बड़ी संख्या में पर्यटक चकराता पहुंचे। जिससे पूरा क्षेत्र पर्यटकों की चहल–पहल से गुलजार नजर आया। ठंडी हवाओं, बादलों से घिरे आसमान और प्राकृतिक सुंदरता ने यहां पहुंचे सैलानियों का मन मोह लिया। सुबह से लेकर देर शाम तक चकराता के प्रमुख पर्यटन स्थलों, बाजारों, होटलों और रेस्टोरेंट में रौनक बनी रही।

चारधाम यात्रा को लेकर दिखी आस्था

हरिद्वार। चारधाम यात्रा में इस बार देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालुओं का उत्साह देखने को मिल रहा है। पड़ोसी देश बांग्लादेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मनगरी हरिद्वार पहुंच रहे हैं। वहीं, नेपाल से आने वाले यात्रियों की संख्या सबसे अधिक बताई जा रही है। बांग्लादेश के ढाका, खुलना और फिनायदा से पहुंचे श्रद्धालु दिनेश, राम, प्रदीप्तो और अनिक ने बताया कि वे पहली बार चारधाम यात्रा पर आए हैं। सनातन धर्म के प्रति उनके मन में गहरी आस्था है और देवभूमि उत्तराखंड के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को अपने धर्म और संस्कृति की जानकारी होनी चाहिए।

रेबीज से पीड़ित 13 वर्षीय किशोर की मौत

पिथौरागढ़। धारचूला के रेबीज पीड़ित 13 वर्षीय किशोर की हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है। स्थानीय ग्रामीणों का दावा है है कि जिस कुत्ते के पिल्ले ने मृतक किशोर को काटा था, उसने करीब छह और लोगों को घायल किया है। रविवार को धारचूला जुम्मा गांव निवासी नंदन सिंह ने बताया कि मोहित धामी को जिस कुत्ते के पिल्ले ने सात माह पहले काटा था, उसने गांव के छह अन्य लोगों को भी घायल किया है। बताया कि किसी का इलाज नहीं हुआ है। तीन–चार दिन पहले मोहित में रेबीज के लक्षण सामने आने और अब उसकी मौत होने के बाद घायल हुए अन्य लोगों को भी अपनी चिंता सता रही है। धामी ने कहा कि धारचूला तहसील मुख्यालय से करीब 22किमी दूर जुम्मा के तोक बुंगा में स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं के बराबर हैं। उन्होंने कुत्ते के पिल्ले के काटे जाने से घायल अन्य लोगों के उपचार के लिए गांव में शिविर लगाने की मांग की है।

कार की टक्कर से साइकिल सवार फल विक्रेता की मौत

रुद्रपुर। रुद्रपुर के रामपुर रोड पर रविवार सुबह तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार फल विक्रेता की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्राम मेड़ियान, तहसील शाहबाद, जिला रामपुर निवासी 45 वर्षीय तौफीक अहमद पुत्र अली हुसैन रुद्रपुर के प्रीत विहार क्षेत्र में फल की रेहड़ी लगाते थे। रविवार सुबह वह साइकिल से मंडी फल खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान रामपुर रोड पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तौफीक अहमद की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि तौफीक अहमद परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। वह अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और चार बेटे छोड़ गए हैं। वहीं, बिलासपुर पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ शुरू कर दी है।

गर्मी बढ़ते ही मिट्टी के मटकों की मांग में जोरदार उछाल

ऋषिकेश। आधुनिक संसाधनों जैसे फ्रिज और वाटर कूलर के बावजूद लोग अब फिर से पारंपरिक मिट्टी के मटकों की ओर लौटते नजर आ रहे हैं। शुद्ध और प्राकृतिक रूप से ठंडा पानी पाने के लिए इन मटकों की लोकप्रियता एक बार फिर बढ़ गई है। बढ़ती गर्मी के तेवर के साथ बाजार में मिट्टी के मटकों की मांग भी तेजी से बढ़ती जा रही है। डोईवाला के प्रेमनगर बाजार क्षेत्र में कुम्हार समुदाय के घरों में इन दिनों लगातार चाक घूमते नजर आ रहे हैं। राम सिंह प्रजापति और विशाल प्रजापति के परिवार दिन–रात मटकों के निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं, ताकि बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके।

राम सिंह प्रजापति ने बताया कि इस बार मौसम शुरू होते ही मटकों की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। लोग अब फिर समझ रहे हैं कि मिट्टी के मटके का पानी स्वास्थ्य के लिए कितना लाभकारी होता है। पहले की तुलना में इस बार बिक्री बेहतर है। विशाल प्रजापति ने कहा कि हमारा यह पारंपरिक काम पीढ़ियों से चला आ रहा है। पहले कुछ समय के लिए मांग कम हो गई थी, लेकिन अब फिर से लोग मिट्टी के बर्तनों की ओर लौट रहे हैं। इससे हमारी मेहनत का सही मूल्य मिल रहा है। स्थानीय बाजार में मटकों की बढ़ती बिक्री ने कुम्हार परिवारों को राहत दी है। लगातार बढ़ती मांग के चलते आने वाले दिनों में उत्पादन और बढ़ाने की तैयारी भी की जा रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों से मटकों की मांग आने लगी है, जिससे यह पारंपरिक उद्योग फिर से गति पकड़ता दिख रहा है।

कोश्यारी को आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी पद्मभूषण से सम्मानित

कोश्यारी प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, पत्रकार और राष्ट्रवादी नेता के रूप में जाने जाते हैं

देहरादून। 25 मई को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पद्मभूषण से सम्मानित किया जाएगा। भगत सिंह कोश्यारी, जिन्हें उत्तराखंड राज्य में 'भगत दा' के नाम से जाना जाता है, एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद्, पत्रकार और समर्पित राष्ट्रवादी नेता हैं, जिन्होंने अपना जीवन जन सेवा और समाज के गरीब और पिछडे वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया है।

वह आरएसएस के एक निष्ठावान स्वयंसेवक हैं और अपनी सादगी, अनुशासन और सीखने के प्रति गहरे प्रेम के लिए जाने जाते हैं। 17 जून, 1942 को उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के पहाड़ी इलाके के सुदूर गांव पलानधुरा में जन्मे कोश्यारी ने अपनी ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद दृढ़ संकल्प के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त की और 1964 में आगरा विश्वविद्यालय से संबद्ध अल्मोड़ा कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी की। उन्होंने 1964–1965 के दौरान राजा का रामपुर (एटा, उत्तर प्रदेश) में व्याख्याता के रूप में अपने पेशेवर

करियर की शुरुआत की। हालांकि, शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से प्रेरित होकर, उन्होंने 1965 के बाद से स्वयं को पूरी तरह से शैक्षणिक और समाज सेवा के लिए समर्पित कर दिया।

कोश्यारी ने सरस्वती शिशु मंदिर, कासगंज (उत्तर प्रदेश) में पढ़ाना शुरू किया, जहां उन्होंने छोटे बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ–साथ भारतीय मूल्य प्रदान करने का काम किया।

भागीरथी के टापू में फंसे दो श्रद्धालुओं को बचाया

उत्तरकाशी। बीते शुक्रवार देर रात को भागीरथी नदी के बीच टापू में मुंबई से आए दो यात्री फंस गए। सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन टीम मौके पर पहुंची और उन्हें वहां से सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। अंधेरा और नदी का तेज बहाव के कारण रात में रेस्क्यू अभियान काफी मुश्किल रहा लेकिन टीमों ने सूझबूझ और तत्परता से दोनों श्रद्धालुओं की जान बचा ली। शुक्रवार रात डायल 112 पर सूचना मिली कि संस्कृत महाविद्यालय के नीचे भागीरथी नदी के बीच बने टापू पर दो श्रद्धालु फंस गए थे। सूचना मिलते ही कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंची। अंधेरे में टीम ने रोप रेस्क्यू और लाइफ जैकेट की मदद से नदी के बीच टापू तक पहुंच बनाई। तेज बहाव के बीच काफी सावधानी से दोनों श्रद्धालुओं को बाहर निकाला गया। कुछ देर चले रेस्क्यू अभियान के बाद दोनों को सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। यात्रियों ने बताया कि वे घूमने और स्नान करने के लिए नदी में गए थे लेकिन अचानक वहीं फंस गए।

वाहनों के दबाव से ट्रैफिक हुआ पूरी तरह बेपटरी

ऋषिकेश। वीकेंड पर रविवार को एक बार फिर ऋषिकेश की सड़कों पर ट्रैफिक बेपटरी हो गया। चारधाम यात्रा और पर्यटक वाहनों के दबाव से सुबह से लेकर देर शाम तक वाहन रेंग–रेंग कर गुजरे। इसकी वजह से भीषण गर्मी के बीच जाम में फंसे लोगों को काफी मुसीबत उठानी पड़ी। दरअसल, वीकेंड पर रविवार सुबह से ही दिल्ली, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक सैर–सपाटे के लिए ऋषिकेश पहुंचने शुरू हुए। इसके चलते सुबह करीब दस बजे से ही सड़कों पर जाम लगना शुरू हो गया। दोपहर में पर्यटक वाहनों के दबाव से ट्रैफिक पूरी तरह बेपटरी हो गई। वाहनों को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए। दोपहर 12 बजे श्यामपुर से ऋषिकेश तक ट्रैफिक फंसा तो

पुलिस को प्लान–बी डायवर्जन लागू करना पड़ा, जिसमें हरिद्वार से आ रहे यात्री और पर्यटक वाहनों को दून–हरिद्वार हाईवे स्थित नेपालीफार्म फ्लाईओवर से भानियावाला की तरफ डायवर्ट किया गया। भानियावाला से रानीपोखरी होते हुए वाहन ऋषिकेश पहुंचे। डायवर्जन में फ्लाईओवर से वैदिकनगर तक वाहनों की कतारें भी लगी दिखीं।

घोड़ा संचालक ने पुलिसकर्मी पर लगाया मारपीट का आरोप

उत्तरकाशी। यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर घोड़ा–खच्चर संचालन से जुड़े एक संचालक ने पुलिस कर्मी पर मारपीट का आरोप लगाया है। मामले को लेकर घोड़ा–खच्चर संचालकों और मजदूरों ने जानकीचट्टी पुलिस चौकी में पुलिस कर्मी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। घोड़ा–खच्चर संचालक दीवान सिंह ने आरोप लगाया कि वह जानकीचट्टी में अपने खच्चर के नंबर आने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक पुलिस कर्मी ने बिना किसी कारण उसे डंडा मार दिया जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। दीवान सिंह ने कहा कि घटना की पुष्टि घोड़ा पड़ाव पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद है। घटना के बाद दीवान सिंह व अन्य घोड़ा–खच्चर संचालक और मजदूर जानकीचट्टी पुलिस चौकी पहुंचे। उन्होंने संबंधित पुलिस कर्मी के खिलाफ तहरीर देकर कठोर कार्रवाई की मांग की। स्थानीय निवासी जसपाल परमार, महावीर पंवार समेत अन्य लोगों ने पुलिस की इस प्रकार की कार्रवाई पर आपत्ति जताई और जिला पुलिस प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि समय रहते मामले का निष्पक्ष समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कुछ दिन पूर्व भी जानकीचट्टी क्षेत्र में एक पुलिस कर्मी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें पुलिस कर्मी मजदूर के थपड़ मारते दिखाई दे रहा है। पुलिस क्षेत्राधिकारी चंचल शर्मा ने कहा कि मेरे संज्ञान में मामला नहीं है।

पांच स्कूली वाहनों पर में मिली ओवरलोडिंग

उत्तरकाशी। जनपद के स्कूलों की ओर से छात्र–छात्राओं को लाने और छोड़ने का कार्य कर रहे वाहनों में ओवरलोडिंग और बिना फिटनेस के बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इस पर परिवहन विभाग की ओर से कार्रवाई करते ओवरलोडिंग और वाहन फिटनेस नहीं होने पर उनके परमिट पर कार्रवाई की संस्तुति के लिए भेजा गया। साथ ही वाहनों को कार्यालय में बंद किया गया। सहायक संभागीय अधिकारी सुवर्णा नौटियाल ने बताया कि चारधाम यात्रा को देखते हुए विभाग की ओर गंगोत्री और यमुनोत्री यात्रा रूट पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बीते शुक्रवार को इस दौरान स्कूली वाहनों की चेकिंग में कई कमियां पाई गई। इसके लिए विद्यालय प्रबंधन को भी कहा गया कि ओवरलोडिंग और नियमों का उल्लंघन न किया जाए। इसके साथ ही यमुनोत्री यात्रा रूट अब तक 554 और गंगोत्री मार्ग पर 556 वाहनों का चालान किया गया है।

गोर्खाली सुधार सभा ने मेधावी छात्र–छात्राओं को बांटी छात्रवृत्ति

देहरादून। गोर्खाली सुधार सभा की रायपुर शाखा ने अपने वार्षिक अधिवेशन में मेधावी छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति बांटी। तनीषा गुरूंग, शाश्वत गिरि, सरोज खत्री, आदिरा कार्की, आरिनी कार्की, सौम्या गुरूंग, अंकुश शाही, आरव गुरूंग, मन्नत थापा, निहारिका क्षेत्री, श्रुति गुरूंग, सारांशी क्षेत्री, आकाश थापा, धर्मेंद्र थापा, अक्षिता क्षेत्री, कृति थापा, नव्य प्रसाद गौतम, उत्कर्ष बोहरा, आर्यन रावत, भावना थापा, वरूणिता थापा, ख्याति थापा, आहना क्षेत्री, तान्या गुरूंग, कोहिनूर थापा, उर्वशी बोहरा, निधि गुरूंग, मनीषा खत्री, मनीषा खत्री, आरूषि क्षेत्री को छात्रवृत्ति दी गई। वहीं योगेश्वर गुरूंग, सूरज सिंह थापा, कमला थापा को वरिष्ठ नागरिक सम्मान और विमला भूषाल को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। शाखा अध्यक्ष कुशल कुमार बोहरा की अध्यक्षता में श्री दुर्गा मंदिर किद्दुवाला में उपाध्यक्ष रणवीर सिंह थापा ने मुख्य अतिथि केंद्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजन क्षेत्री, उपाध्यक्ष पूजा सुब्बा चंद, सचिव मधुसूदन शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रभा शाह का स्वागत अभिनंदन किया।

एसआईआर को लेकर समीक्षा बैठक

देहरादून। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उत्तराखण्ड दौरे के दूसरे दिन रविवार को देहरादून स्थित राज्य अतिथि गृह बीजापुर में एसआईआर की तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि एसआईआर का मुख्य उद्देश्य "एब्सेंट,शिफ्टेड,डेथ, डूप्लीकेट और विदेशी मतदाताओं" को चिन्हित कर मतदाता सूची का शुद्धिकरण करना है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी मतदाताओं से आगामी एसआईआर में अपना नवीनतम पासपोर्ट फोटो उपलब्ध कराने के साथ ही रक्फ़ मे बीएलओ को सहायोग करने की अपील की है।

बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इस दौरान उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को अवगत कराया कि प्रदेश में प्री–रक्फ़फेज में 89 % मैपिंग की गई है।डीईओ,डिप्टी डीईओ,ईआरओ/एईआरओ के प्रथम चरण का प्रशिक्षण पूरा कर दिया गया है, बीएलओ और अन्य फ़ील्ड स्टाफ प्रशिक्षण गतिमान है। बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को यह भी बताया गया कि प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए व्यापक स्तर पर विभिन्न माध्यमों से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं ईआरओ को राजनैतिक दलों के साथ प्रत्येक सप्ताह बैठक करने के निर्देश दिए हैं।

लोधिया बैरियर पर दो युवकों से स्मैक बरामद, गिरफ्तार

अल्मोड़ा। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत अल्मोड़ा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 16.44 ग्राम स्मैक बरामद की है। बरामद स्मैक की कीमत करीब 4.93 लाख रुपये बताई गई है। वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर जिले में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार रात कोतवाली अल्मोड़ा और एसओजी की संयुक्त टीम ने लोधिया बैरियर के पास चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान पुलिस ने सौरभ बिष्ट के कब्जे से 10 ग्राम और रोहित कुमार के कब्जे से 6.44 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। दोनों के पास से कुल 16.44 ग्राम स्मैक मिलने पर उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

सचिवालय में रन फॉर हेल्थ दौड़ में कार्मिकों ने दिखाया दम –खम

देहरादून। सचिवालय एथलेटिक्स एंड फिटनेस क्लब के तत्वावधान में रन फॉर हेल्थ दौड़ का आयोजन किया गया।यह आयोजन सचिवालय एटीएम चौक से प्रारंभ होकर सचिवालय एटीएम चौक पर ही समाप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संतोष बड़ौनी अपर सचिव एवं दीपक जोशी अध्यक्ष, सचिवालय संघ उपस्थित रहे। सचिवालय परिवार की कार्मिकों के बीच रन फॉर हेल्थ का आयोजन का उद्देश्य पूरा सचिवालय – दौड़ेगा के नारे के साथ सदस्यों को शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित

करना था।कार्यक्रम में सचिवालय परिवार की 80 से अधिक महिला तथा पुरुष सदस्यों ने प्रतिभाग किया।सभी प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय तिथि पुरस्कार के साथ सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया।

ज्ञानेश कुमार ने यमुनोत्री के दर्शन किए

उत्तरकाशी। जनपद भ्रमण के दूसरे दिन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम पहुंचकर मां यमुना के दर्शन किए और विधिवत पूजा–अर्चना की। उन्होंने देशवासियों की सुख–समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उनके दौरे से पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। रविवार सुबह वे खरसाली हेलीपैड पहुंचे, जहां प्रशासनिक अधिकारियों, मंदिर समिति और स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मां यमुना के चरणों में पुष्प अर्पित कर विशेष पूजा की। इस दौरान उन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत बनाने, जनता के कल्याण और राष्ट्र की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।

मकड़ा गैंग के पांच युवक गिरफ्तार, लाठी–डंडों के साथ मचा रहे थे हुड़दंग

हरिद्वार। गाजीवाली क्षेत्र में लाठी–डंडों से लैस होकर हुड़दंग मचाने वाले पांच युवकों को श्यामपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को सोशल मीडिया पर ह्यमकड़ा गैंगह्व बताकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे थे। श्यामपुर एसओ नितेश शर्मा के अनुसार शनिवार रात को गाजीवाली क्षेत्र में कुछ युवक मोटरसाइकिल और कारों के साथ एकत्र होकर झगड़ा–फसाद और हुड़दंग कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से सभी को हिरासत में ले लिया। जांच में सामने आया कि ये युवक एक संगठित समूह की तरह सक्रिय थे और सोशल मीडिया पर इनके कई आपत्तिजनक वीडियो भी पाए गए हैं।

पकड़े गए आरोपितों में मोहित, देव, सन्नी, योगेश शर्मा निवासी कांगड़ी और प्रवेश निवासी श्यामपुर शामिल हैं। विधिक कार्रवाई के बाद सभी को न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

एक नजर

शांति व्यवस्था पर ध्यान, एसएसपी ने ली बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः एसएसपी सर्वेश पंवार ने गंगा स्नान व आगामी बकरीद पर्व को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जनपद के सभी थाना प्रभारियों के साथ ऑनलाइन गोष्ठी की। गोष्ठी के दौरान विशेष रूप से कोटद्वार, श्रीनगर और लक्ष्मणझूला क्षेत्र के थाना प्रभारियों को अपने–अपने क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार निगरानी रखने को कहा गया। एसएसपी ने गंगा घाटों, बाजारों, मस्जिदों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं और समिति सदस्यों के साथ समन्वय बनाकर भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए संवाद स्थापित किया जाए। इसके अलावा डायल 112 और चीता मोबाइल टीमों को लगातार गश्त करने, संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमणशील रहने व संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। किसी भी प्रकार की अवांछनीय या अवैध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने को भी कहा गया।

वंश गुसाईं ने खेल व शिक्षा के क्षेत्र में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बलूनी पब्लिक स्कूल एवं बलूनी स्पोर्ट्स अकादमी के मेधावी छात्र वंश गुसाईं ने खेल और शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के कक्षा 12 के छात्र वंश गुसाईं ने वर्ष 2026 की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। साथ ही उन्होंने जिला स्तर की 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वे वर्ष 2024–25 में सीबीएसई जोनल एथलेटिक्स टीम का हिस्सा भी रहे। वे जिला कबड्डी टीम के नियमित खिलाड़ी भी रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन ने वंश गुसाईं की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे आने वाले खिलाड़ियों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

सीमांत जिलों में टेक्नोलॉजी हब विकसित करने पर जोर

चमोली। चतुर्थ केदार रुद्रनाथ के दर्शनों से लौटने के बाद केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने जिलाधिकारी कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने जनपद के सीमांत क्षेत्रों में वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जनपद में टेक्नोलॉजी हब विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक, डिजिटल सुविधाओं एवं नवाचार आधारित योजनाओं को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए नए अवसर तैयार किए जा सकते हैं। केंद्रीय गृह सचिव ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत जिले के सीमांत गांवों के लिए बड़ी एवं दीर्घकालिक विकास योजनाओं के प्रस्ताव तैयार किए जाएं ताकि इन क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के साथ–साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सके। उन्होंने स्थानीय हस्तशिल्प एवं पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। रुद्रनाथ मंदिर ट्रैक रूट के सुनियोजित विकास के लिए डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बदरीनाथ मास्टर प्लान की प्रगति की जानकारी भी ली। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने उन्हें अवगत कराया कि मास्टर प्लान के अधिकांश कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं जबकि फेज–दो और फेज–तीन के कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नदी किनारे चल रहे निर्माण कार्य रोके

चमोली। अलकनंदा नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद मारवाड़ी पुल से विष्णुप्रयाग तक नदी किनारे निर्मित हो रही सुरक्षा दीवार के कार्य को फिलहाल रोक दिया गया है। यहां लगभग सौ करोड़ रुपये की लागत से सुरक्षात्मक कार्य किए जा रहे हैं। बरसात के बाद जब नदी का जलस्तर कम हो जाएगा तब उसके बाद फिर से सुरक्षा दीवार का निर्माण शुरू किया जाएगा। इधर मारवाड़ी पुल के पास चल रहा स्लोप स्टेबलाइजेशन का कार्य अभी तक जारी है गर्मी के कारण उच्च हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने के कारण अलकनंदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य रोकने के आदेश कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग को दिए हैं। उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि किनारे बनने वाली कुल 614 मीटर लंबी सुरक्षा दीवार का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। नदी का जलस्तर अब निर्माण स्थल तक पहुंच रहा है। इसलिए मजदूरों और तकनीकी टीम की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए काम को रोका गया है।

कंचननाले में हुआ हिमस्खलन, कोई नुकसान नहीं

चमोली। बदरीनाथ धाम से करीब दो किलोमीटर पहले कंचननाले के उद्गम स्थल पर रविवार सुबह हिमस्खलन हुआ। अधिक ऊंचाई होने के कारण बर्फ निचले क्षेत्रों में आने से पहले ही थम गई। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि हिमस्खलन से क्षेत्र में कोई नुकसान नहीं हुआ है। यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इस तरह की घटनाएं समय–समय पर होती रहती हैं। हिमस्खलन सड़क तक नहीं पहुंचा और खाई क्षेत्र में ही रुक गया जिससे यातायात एवं आम जनजीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। रविवार को हिमस्खलन की घटना का वीडियो तेजी से वायरल हुआ। हालांकि जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति पूर्ण सामान्य है।

बेस अस्पताल के डॉ. विक्की बख्शी ने दिया इस्तीफा

श्रीनगर गढ़वाल। मेडिकल कॉलेज के बेस अस्पताल के रेस्पिरेट्री मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. विक्की बख्शी ने अस्पताल प्रशासन को इस्तीफा सौंप दिया है। डॉ. बख्शी बेस अस्पताल में लंबे समय से सेवाएं दे रहे थे और मरीजों के बीच उनकी अच्छी पहचान थी।

बताया जा रहा है कि शासन स्तर से चारधाम यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई जा रही है। इसी क्रम में डॉ. बख्शी की भी यात्रा मार्ग पर तैनाती की गई थी लेकिन ड्यूटी पर जाने से पहले ही उन्होंने सेवा देने के बजाय त्यागपत्र दे दिया। वहीं इस मामले में मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने बताया कि डॉ. विक्की बख्शी ने दो सप्ताह पहले इस्तीफा दे दिया था। शीघ्र इस पद के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। डॉ. बख्शी ने बताया कि उन्होंने विशेष ट्रेनिंग लेने की वजह से त्यागपत्र दिया है। यात्रा ड्यूटी से इसका कोई संबंध नहीं है।

सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा डालने वालों की दें शिकायत

कोटद्वार के गोखले मार्ग में सड़क पर लगा कूड़े का ढेर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगर निगम लगातार अभियान चला रहा है। बावजूद कुछ लोग निगम की इस मुहिम पर पलीता लगा रहे हैं। ऐसे में अब नगर निगम ने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती दिखा शुरु कर दिया है। सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा फेंकने व जलाने वालों के खिलाफ एक घंटे के भीतर आर्थिक दंड की कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं, यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर कूड़ा डालने वालों की शिकायत आनलाइन देता है तो उसकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। साथ ही शिकायत देने वाले व्यक्ति को सम्मानित भी किया जाएगा।

नगर निगम क्षेत्र के चालीस वार्डों में घर–घर से कूड़ा एकत्रित करने के लिए प्रतिदिन निगम के वाहनों का संचालन किया जाता है। इसके एवज में नगर निगम घरों से तीस रुपये प्रतिमाह लेता है। लेकिन, कई लोग तीस रूपये बचाने के चक्कर में शहर को दूषित कर रहे हैं। लोग अब भी सार्वजनिक स्थानों व खाली पड़ी भूमि पर कूड़े का ढेर डाल रहे हैं। जिससे शहर की सूरत बिगड़ रही है। ऐसे में अब नगर निगम ने इन लोगों से सख्ती के साथ निपटने का मन बना लिया है। पूर्व में शहर के मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। साथ ही चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए। ऐसे में अब नगर निगम ने कूड़ा डालने वालों की वीडियो आनलाइन निगम को देने वालों को सम्मानित करने का भी निर्णय लिया है। वीडियो मिलने के एक घंटे के भीतर निगम की टीम कूड़ा डालने वालों का चालान कर उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

निगम करेगा सम्मानित

रैंक सुधारने को जागरूकता जरूरी

वर्ष 2022 में कोटद्वार नगर निगम राष्ट्रीय स्तर पर जारी होने वाली स्वच्छता सर्वे सूची में 270-वें स्थान पर था। जबकि, 2024 में निगम 305-वें स्थान पर पहुंचा। साफ है कि आमजन के सहयोग के बिना कोटद्वार स्वच्छता के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता। कोटद्वार को स्वच्छता की रैंक में आगे लाने के लिए आमजन को भी नगर निगम का सहयोग करना होगा। वर्तमान में कुल 60 प्रतिशत घरों से ही निगम के वाहनों में प्रतिदिन कूड़ा आ रहा है। जबकि, चालीस प्रतिशत घरों का कूड़ा या तो सर्वजनिक स्थानों पर फेंका जा रहा है या इसे जलाया जा रहा है।

गदेरे को बना दिया डंपिंग जोन

शहर में गंदगी फैलाने वालों ने शहर के बीच से गुजरने वाले पनियाली गदेरे को भी कूड़ा डंपिंग जोन बना दिया है।

यही नहीं कूड़े का ढेर बढ़ने पर कई लोग इसपर आग भी लगा देते हैं। जिससे वायु प्रदूषण होता है। देवी रोड में आसपास के कई दुकानदार दुकान से निकलने वाली गंदगी को गदेरे में उड़ेलते हुए आसानी से देखे जा सकता है। गोखले मार्ग में भी फल व सब्जी बेचने वाले गंदगी का ढेर सड़क पर ही फेंककर चले जाते हैं।

इन पर नहीं होती कार्रवाई

शहर के मुख्य मार्गों पर सब्जी व फल बेचने वाले सड़क पर ही कूड़ा फेंकर चले जाते हैं। जिससे सुबह–सुबह सड़क पर गंदगी के ढेर लगे रहते हैं। बावजूद नगर निगम आजतक इसके लिए कोई सख्ती नियम लेकर नहीं आ पाया। ऐसे में नगर निगम के अभियान पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं।

शहर को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर कूड़ा डालने वालों पर नजर रखी जा रही है। आमजन से भी कूड़ा डालने वालों की शिकायत करने की अपील की जा रही है।

...पीएल शाह, नगर आयुक्त कोटद्वार

प्रमाण पत्र किए वितरित, हुआ प्लेसमेंट

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार स्वामीराम हिमालयन विश्वविद्यालय के हिल कैंपस तोली में विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान विभिन्न संस्थानों ने युवाओं का इंटरव्यू लिया और उन्हें रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने का मौका दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैंपस प्रबंधक मधुसूदन धस्माना ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा और कौशल आधारित प्रशिक्षण से जोड़ना संस्थान की प्राथमिक प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल पारंपरिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावसायिक एवं कौशल विकास आधारित प्रशिक्षण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की मजबूत नींव तैयार करता है। हास्पिटैलिटी विभाग के प्रधानाचार्य संजीव बिंजोला ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद पर्वतीय क्षेत्रों के युवाओं में प्रतिभा, क्षमता और मेहनत की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

फैकल्टी सदस्य विजय भट्ट और हरीश रावत ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के लिए तैयार करना भी है।

लालढांग- चिल्लरखाल मार्ग निर्माण की मांग पर धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों का आंदोलन रविवार को भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सड़क निर्माण शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उनका कहना था कि जनता की मांगों की लगातार अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रविवार को को बड़ी संख्या में लोग चिल्लरखाल वन चौकी के पास एकत्र हुए और मार्ग निर्माण की मांग को लेकर धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि कोटद्वार और गढ़वाल क्षेत्र के लोग लंबे समय से ऑल वेदर सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।आंदोलनकारी मदन नेगी ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल से पहले इस मार्ग पर सभी प्रकार के वाहन आसानी से संचालित होते थे, लेकिन बाद में एनजीटी के नियमों और न्यायालयी प्रक्रियाओं के चलते व्यावसायिक वाहनों के संचालन पर रोक लग गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बफर जोन के तहत स्वीकृत 150 कमर्शियल वाहनों को भी संचालन की अनुमति नहीं दी जा रही है। वहीं, रविंद्र सौंद ने अनिल बलूनी से एलिवेटेड रोड निर्माण को लेकर स्पष्ट जानकारी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों की मुख्य मांग क्षेत्र में एलिवेटेड सड़क का निर्माण कराना है। रेखा नेगी ने कहा कि महिलाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने तक संघर्ष जारी रखेंगी। उन्होंने अन्य राज्यों की तरह यहां भी एलिवेटेड रोड बनाए जाने की मांग दोहराई। धरने में देवेंद्र रावत, प्रकाश रावत, नरेश धस्माना, हेमा नेगी, राजेंद्र सिंह, उम्मेद भंडारी, यशोदा, जगत सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

मार्ग निर्माण के लिए धरने पर बैठे लोग

कौशल आधारित रोजगार बढ़ाने पर दिया जोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः आईटीआई प्रशिक्षुओं व स्थानीय उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने व कौशल आधारित रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए जिला उद्योग केंद्र की ओर से कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में आईटीआई व उद्योग के बीच समन्वय बढ़ाया गया।

सीमेंस, टाटा स्ट्राइव, आईटीआई व जिला उद्योग केंद्र, कोटद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में आईटीआई व विभिन्न उद्योगों के मध्य आठ एमओयू हस्तांतरित किए गए। कार्यक्रम में 25 से अधिक उद्योगों व आईटीआई के 40 से अधिक प्रशिक्षुओं ने सहभागिता करते हुए 11 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए। इनमें से कई प्रोजेक्ट्स को उद्योगों के लिए उपयोगी एवं व्यवहारिक माना गया। कार्यशाला में स्थानीय उद्योगों, आईटीआई प्रतिनिधियों, प्रशिक्षकों व प्रशिक्षुओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने इस पहल को कौशल शिक्षा और उद्योगों के बीच मजबूत साझेदारी की दिशा में प्रभावी कदम बताया। कार्यक्रम में 110 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस मौके पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग, प्रबंधक राजेन्द्र प्रकाश आर्य, सिडकुल निर्माता संघ के अध्यक्ष सुनील गुप्ता, सचिव विवेक चौहान, आईटीआई कोटद्वार के प्रधानाचार्य सुशील कुमार, आईटीआई दुगड्डा के प्रधानाचार्य गोविंदा, सीमेंस एवं टाटा स्ट्राइव की ओर से सैबल अदक, प्रसन्न सिंह नेगी, सुभाष डबराल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के जिला उद्योग केंद्र में आयोजित कार्यशाला के दौरान एमओयू हस्तांतरित करते सदस्य

जीवन में आगे बढ़ने के लिए युवाओं को किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः राठ महाविद्यालय पैठाणी में समावेशी भारत 2047 खेल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से उन्नयन, विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमिनार में 200 छात्रों ने हिस्सा लिया। महाविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस सुंदर लाल मुयाल ने कहा कि आने वाला समय बहुत चुनौतीपूर्ण है युवाओं को इसके लिए अभी से तैयार होना है। कहा कि तकनीक के युग में सभी के पास सभी सूचनाओं का भंडार है। उन्होंने कहा कि संगोष्ठी के माध्यम से छात्रों को बेहतर जीवनचर्या की जानकारी मिलेगी। विशिष्ट अतिथि गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीजीआर परिसर के निदेशक प्रो. यूसी गैरोला ने कहा सबसे अधिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी ने कहा कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए हमें बहुत प्रयास करने की आवश्यकता है। प्राचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार नेगी ने कहा कि आज के समय में मानसिक स्वास्थ्य का सही रहना बहुत जरूरी है। कहा कि वर्तमान में वनाग्नि से वायु प्रदूषण के बढ़ने से स्वास्थ संबंधी गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है। इस मौके पर मंगल सिंह, डॉ. ललित तिवारी, डॉ. राकेश नेगी, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. गोपेश सिंह, राम सिंह नेगी, राज कुमार पॉल, डॉ. मंजीत भंडारी, डॉ. देव कृष्ण आदि शामिल रहे।

चोरों के बुलंद हुए हौसले, तिरंगा लाइट की कॉपर वायर चोरी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत ग्रास्टनगंज व गुलर पुलों पर लगाई गई तिरंगा लाइटों की कापर वायर चोर चुरा ले गए। नगर निगम की ओर से मामले में अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी गई है।

बताते चलें कि बीते वर्ष 15 अगस्त को नगर निगम की ओर से क्षेत्र के सात पुलों में सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से तिरंगा लाइटें लगाई गई थी। इन लाइटों के संचालन के लिए विद्युत वायरिंग भी लगाई गई थी। लेकिन, बीते दिवस अज्ञात ने ग्रास्टनगंज और गुलर पुलों में लाइटों के संचालन के लिए लगाई गई करीब 1300 मीटर लंबी कापर वायर चोरी कर दी। इस मामले में नगर निगम की ओर से पुलिस में तहरीर दी है। तहरीर में कहा गया है कि कापर वायर चोरी होने के कारण जहां निगम को आर्थिक नुकसान हुआ है, वहीं तिरंगा प्रकाश व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। कोतवाली प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर दिया गया है।

शिव महापुराण कथा में गूंजा भक्ति और प्रेम का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः हल्दूखाता स्थित शिव मंदिर में आयोजित शिव महापुराण कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथा में श्रद्धालुओं को भगवान शिव की महिमा, भक्ति की शक्ति और मानव जीवन में प्रेम व सदाचार के महत्व का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया। कथा वाचन करते हुए आचार्य राकेश लखेड़ा ने माता सती और भगवान शिव के प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग केवल बाहरी आडंबरों से नहीं, बल्कि सच्ची श्रद्धा, निर्मल मन और निष्कलंक प्रेम से प्रशस्त होता है। उन्होंने बताया कि माता सती ने भगवान शिव से मन तत्व के ज्ञान की इच्छा व्यक्त की थी। इस पर भगवान शिव ने कहा कि जब तक मनुष्य के आचार–विचार शुद्ध नहीं होते, तब तक मन की पवित्रता संभव नहीं है और बिना मन की शुद्धि के सच्ची भक्ति अधूरी रहती है। आचार्य ने कहा कि भक्ति के साथ ज्ञान का होना भी अत्यंत आवश्यक है। केवल पूजा–अर्चना ही नहीं, बल्कि अच्छे विचार, संयमित जीवन और दूसरों के प्रति प्रेम भाव भी व्यक्ति को आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रेम ही मानव जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है और प्रेममय हृदय वाला इंसान ही ईश्वर की कृपा प्राप्त कर सकता है। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारों और भजनों में भाव–विभोर नजर आए। प्रियवंदा कीर्तन मंडली, दुर्गा कीर्तन मंडली और जय मां कीर्तन मंडली ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर माहौल को पूरी तरह भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो उठा। कार्यक्रम में विकास पंत, नर्मदा देवी, दीपा देवी, रेखा देवी, अखिलेश डंडरियाल, इंदू नौटियाल समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि शिव महापुराण कथा के माध्यम से लोगों को धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

कथा वाचन करते आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा

राज्य आंदोलनकारियों की मांगों को लेकर 31 मई को होगा वृहद सम्मेलन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी मोर्चा की बैठक में राज्य आंदोलनकारियों से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर 31 मई को पौड़ी में वृहद सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण, आरक्षण और न्यायिक मामलों को लेकर सरकार की धीमी कार्यप्रणाली पर चिंता जताई।

बैठक जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि आज भी कई आंदोलनकारियों का चिह्नीकरण नहीं हो पाया है, जिससे वास्तविक आंदोलनकारी विभिन्न सरकारी सुविधाओं और अधिकारों से वंचित हैं। इसके अलावा राज्य आंदोलनकारियों के लिए घोषित 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को लेकर भी अब तक स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। वक्ताओं ने कहा कि इन महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर लंबे समय से आंदोलनकारी सरकार से मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। इसी को देखते हुए 31 मई को पौड़ी में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें राज्य आंदोलनकारी मंच देहरादून, उत्तराखंड आंदोलनकारी संगठन, अधिवक्ता संघ समेत विभिन्न सामाजिक और आंदोलनकारी संगठन भाग लेंगे। बैठक में बताया गया कि सम्मेलन के दौरान मुजफ्फरनगर कांड की प्रभावी पैरवी, राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण तथा 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण को लेकर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। साथ ही सरकार तक आंदोलनकारियों की मांगों को मजबूती से पहुंचाने की रणनीति भी तैयार की जाएगी। बैठक में अशोक कंडारी, गुलाब सिंह रावत, मनमोहन नेगी, आशा डबराल, उर्मिला जोशी, लक्ष्मी रावत, ध्यान सिंह, विजय पाल सिंह, संजू कश्यप, अतुल भट्ट, पवन कुमार गौड़ और सूरज सिंह रावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

आयोजित बैठक में भाग लेते आंदोलनकारी

स्टेडियम ने सेना को दिए 14 बॉक्सर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : महज पांच वर्ष का समयांतराल में कोटद्वार के राजकीय स्पोर्टस स्टेडियम में संचालित बाक्सिंग हास्टल ने सेना को चौदह बाक्सर दिए। इतना ही नहीं, हास्टल के बाक्सर प्रांतीय व राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं।

वर्ष 2004 में कोटद्वार के राजकीय स्पोर्टस स्टेडियम में बाक्सिंग हास्टल की शुरूआत हुई। राज्य स्तर की चयन परीक्षा पास का हास्टल में पहुंचने वाले बच्चों को बाक्सिंग प्रशिक्षण का जिम्मा अंतरराष्ट्रीय बाक्सिंग कोच देवेंद्र चंद्र भट्ट को दिया गया। बाक्सिंग कोच देवेंद्र चंद्र भट्ट भले ही सेवानिवृत्त हो गए। लेकिन, बाक्सिंग के रूप में लगाई उनकी पौध आज वृक्ष का रूप ले चुकी है।

संपादकीय

पर्यटन पर जाम के ब्रेक

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के साथ पर्यटन सीजन शुरू हो चुका है और इसी के साथ वाहनों की बेशुमार बढ़ती संख्या ने पर्यटकों के पसीने छुड़ाने भी शुरू कर दिए हैं। न केवल उत्तराखंड बल्कि आज देश के छोटे–बड़े लगभग सभी शहरों में यातायात जाम एक गंभीर समस्या बन चुका है। सुबह दफ्तर जाने का समय हो या शाम को घर लौटने की घड़ी, सड़कें वाहनों की लंबी कतारों से भरी दिखाई देती हैं। बढ़ती आबादी, तेजी से बढ़ते वाहन और अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था ने लोगों का जीवन कठिन बना दिया है। यह समस्या केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर स्वास्थ्य, पर्यावरण और आर्थिक व्यवस्था पर भी पड़ रहा है।

यातायात जाम का सबसे बड़ा कारण शहरों में बिना योजना के बढ़ता शहरीकरण है। सड़कों की चौड़ाई वर्षों पुरानी है, जबकि वाहनों की संख्या कई गुना बढ़ चुकी है। जगह–जगह अतिक्रमण, गलत पार्किंग, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और सार्वजनिक परिवहन की कमी भी इस समस्या को और गंभीर बना रही है। कई बार सड़क निर्माण या मरम्मत कार्य बिना उचित योजना के शुरू कर दिए जाते हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। जाम का सीधा असर लोगों के दैनिक जीवन पर पड़ता है। घंटों तक सड़क पर फंसे रहने से मानसिक तनाव बढ़ता है और ईंधन की भी भारी बर्बादी होती है। लगातार निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण को बढ़ाता है, जिससे सांस और हृदय संबंधी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। विद्यार्थियों, कर्मचारियों और व्यापारियों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाई होती है, जिससे कार्यक्षमता प्रभावित होती है। इस समस्या के समाधान के लिए केवल सरकार ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। शहरों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करनी होगी ताकि लोग निजी वाहनों का कम उपयोग करें। ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और अवैध अतिक्रमण हटाए जाएं। साथ ही, लोगों में सड़क अनुशासन और जागरूकता बढ़ाने की भी आवश्यकता है। यातायात जाम केवल सड़क की समस्या नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक अनुशासन और शहरी योजना की परीक्षा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। इसलिए सरकार और जनता दोनों को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिससे सड़कें सुगम हों और जीवन की रफ्तार बिना रुकावट आगे बढ़ सके। अभी लगभग अक्टूबर तक उत्तराखंड में चार धाम यात्रा और पर्यटन चलता रहेगा और इन परिस्थितियों में यह जरूरी है कि राज्य सरकार सुचारू परिवहन व्यवस्था को बनाए रखने का प्रयास करें।

तपती धरती आग उगलता आसमान झुलसता जनजीवन

मनोज कुमार अग्रवाल

देश तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बांदा में अधिकतम तापमान 48.2त्उ तक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि वर्धा में भी पारा 47.1त्उ के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा में गर्मी की स्थितिःबांदा (उत्तर प्रदेश) हाल ही में बांदा में तापमान 48त्उ के पार पहुंच गया, जिससे यह क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1त्उ तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरूआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकत्ती है। सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुगों, गर्भवती महिलाओं, पहले से बीमार लोगों, मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्त्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दवाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है।

यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ फ्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है।

पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है।

गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-भुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चकर आए, तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छांच या ठंडी जगह पर ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अब केवल असुविधा नहीं, जीवन और मृत्यु का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह मार हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?

किशन सनमुखदास भावनानी

फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया -भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण...

इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती...

दुनियाँ नें इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती...

वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आगेर्नाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरूआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के जैरे, जिसे आज डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं।

साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है।

साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्त्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरूआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है।

साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें।

साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरूआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गईं और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है।

साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए निकाली हुंकार रैली

चमोली। पुरानी पेंशन बहाली की मांग के लिए लेकर शिक्षकों, कर्मचारियों ने ढोल दमाऊं के साथ हुंकार रैली निकाली और प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों, कर्मचारियों ने जल्द पुरानी पेंशन लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा यदि जल्द पुरानी पेंशन लागू नहीं की गई तो तो पैनडाउन सहित कार्यबहिष्कार किया जाएगा। साथ ही आगामी विधानसभा में ओपीएस को देखकर ही वोट करेंगे। रविवार को पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की ओर से ढोल दमाऊं के साथ उमा महेश्वर आश्रम के पास से होते हुए पंचपुलिया से मुख्य बाजार तक हुंकार रैली निकाली। रैली में पूरे प्रदेश से भारी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी पहुंचे। मुख्य बाजार में आयोजित जनसभा में पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि 1 अक्तूबर 2005 के बाद उत्तराखंड में सरकार ने एनपीएस लागू किया। फिर 1 अप्रैल 2025 से जो यूपीएस लागू करने जा रही थी लेकिन पूरे देश में आंदोलन के कारण यूपीएस लागू नहीं हो पाया। हमारी सिर्फ एक मांग है कि ओपीएस दे दी जाए। मोर्चा के प्रदेश महामंत्री पूरण फर्स्वाण ने कहा कि सरकार अपनी हठधर्मिता पर टिकी है। सरकार के विधायक और सांसद पुरानी पेंशन का लाभ ले रहे हैं ।

श्रीदेव सुमन विवि का आवासीय परिसर का काम अंतिम चरण में

नई टिहरी। वर्ष 2012 में स्थापना के बाद से बुनियादी और आवासीय सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के मुख्यालय बादशाहीथौल में अब अधिकारियों और कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। लंबे समय से लंबित आवासीय सुविधा का इंतजार अब जल्द ही खत्म होने की ओर है। विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन आवासीय भवनों का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है। बादशाहीथौल में विश्वविद्यालय स्थापना के बाद से अब तक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी थी। इसका असर सीधे तौर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों पर महसूस किया जाता रहा। अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी नई टिहरी, चंबा और आसपास के क्षेत्रों में किराए के भवनों में रहने को मजबूर थे। कई कर्मचारियों को रोजाना लंबी दूरी तय कर विश्वविद्यालय पहुंचना पड़ता था।

लंबे समय बाद कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक और वित्त अधिकारी के लिए बीते माह आवासीय भवन तैयार होकर आवंटित किए जा चुके हैं। इसके अलावा कुछ अन्य आवास भी बनकर तैयार हो गए है, जिनका आवंटन आगामी जून माह तक किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इनमें उप कुलसचिव, सहायक कुलसचिव, उप परीक्षा नियंत्रक, सहायक परीक्षा नियंत्रक समेत अन्य कर्मचारियों को शामिल किया जा सकता है। विवि प्रशासन की ओर से आवास आवंटन प्रक्रिया के लिए समिति का गठन भी कर दिया गया है। समिति पात्रता और आवश्यकता के आधार पर आवास आवंटन की प्रक्रिया तय करेगी, ताकि कर्मचारियों और अधिकारियों को प्राथमिकता के अनुरूप सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

नए जलस्रोत की तलाश में जुटा जल संस्थान

नई टिहरी। गर्मी बढ़ने के साथ लंबगांव नगर क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगा है। करीब पांच हजार की आबादी वाले नगर क्षेत्र में इन दिनों पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। पानी की सीमित आपूर्ति होने से दैनिक जरूरतें पूरी करना भी चुनौती बनता जा रहा है। हर साल गर्मी में पेयजल संकट से लोगों को जूझना पड़ता है।

नगर वासियों को पानी के संकट से राहत दिलाने के लिए जल संस्थान ने नए प्राकृतिक जलस्रोत की तलाश शुरू कर दी है। जल संस्थान के अवर अभियंता राजवीर थलवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार और विभागीय कर्मचारियों की टीम ने पट्टी गाजणा क्षेत्र के हुल्डियाण, भैंत और न्यूगांव पहुंचकर प्राकृतिक जलस्रोतों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पानी की उपलब्धता, स्रोत की क्षमता और लंबगांव तक आपूर्ति की संभावनाओं का आकलन किया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार लंबगांव नगर क्षेत्र के लिए उपयुक्त प्राकृतिक जलस्रोत हुल्डियाण क्षेत्र में चिह्नित कर लिया गया है। अब इस स्रोत को लंबगांव पेयजल लाइन से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए जल्द कार्ययोजना तैयार कर कार्रवाई शुरू करने की बात कही जा रही है। जल संस्थान के अवर अभियंता थलवाल ने बताया कि वर्तमान में लंबगांव नगर क्षेत्र को दो व्यवस्थाओं के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

412 पर्यावरण मित्र संभाल रहे स्वच्छता का जिम्मा

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए सुलभ इंटरनेशनल अभियान चला रहा है। सुलभ के सीतापुर से केदारनाथ तक करीब 412 पर्यावरण मित्र सफाई कार्य में जुटे हैं। ये कर्मी पैदल यात्रा मार्ग के साथ–साथ होटल और लॉज से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण का कार्य भी कर रहे हैं। वहीं काकड़ा से केदारनाथ तक 249 स्टील फ्रेम से शौचालय स्थापित किए गए हैं। सुलभ इंटरनेशनल के यात्रा प्रभारी धनंजय पाठक ने बताया कि सुलभ तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और यात्रा मार्ग को स्वच्छ बनाए रखने के लिए कार्य किया जा रहा है।

पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूड़ी को किया याद

रुद्रप्रयाग। पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री रहे भुवन चंद्र खंडूड़ी के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित शोक सभा में कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि भुवन चंद्र खंडूड़ी ईमानदारी, सादगी और सुशासन के लिए हमेशा पहचाने जाते रहेंगे। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि पूर्व सीएम ने कई योजनाओं के माध्यम से गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, पूर्व जिला अध्यक्ष वाचस्पति सेमवाल, जिला महामंत्री अरुण चमोली, राय सिंह राणा, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र रावत, सैन सिंह बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष पार्वती गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची को त्रुटि रहित बनाने पर दिया जोर

रुद्रप्रयाग। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर–2026 कार्यक्रम के तहत जिले में निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित बनाने के लिए बीएलओ और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया गया। तहसील जखोली, ऊखीमठ, रुद्रप्रयाग में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बीएलओ ऐप के माध्यम से ऑनलाइन डेटा अपलोड करने और उसकी कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। मतदाता सूची शुद्धिकरण, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने और संशोधन प्रक्रिया के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर–2026 अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल कर सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट, जिला सेवायोजन अधिकारी सुशील चमोली, डीआईईटी प्रवक्ता विनोद यादव ने बीएलओ और घर–घर सत्यापन कार्य को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ पूरा करने की अपील की।

बच्चों के साथ किसी भी तरह का शोषण गंभीर अपराध

रुद्रप्रयाग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राजकीय इंटर कॉलेज बरसूड़ी में पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम और बाल विवाह विषयों पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने छात्र–छात्राओं और ग्रामीणों को पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों व बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा संबंधी कानूनी उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ किसी भी तरह का शोषण गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों की सूचना संबंधित विभाग व पुलिस को देनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बाल श्रम और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में पीएलवी ने पॉक्सो एक्ट विषय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

रिंगाल के उत्पादों से मजबूत कर रहे आर्थिकी

रुद्रप्रयाग। सतत विकास के लिए रिंगाल उत्पादों को हमेशा बेहतर विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे ही एक कारीगर हैं ब्लॉक जखोली के ग्राम स्यूर निवासी सज्जन लाल जो वर्षों से रिंगाल काश्तकारी से अपने परिवार की आजीविका चला रहे हैं। वह रिंगाल से उत्पाद तैयार कर रहे हैं जिसे लोग भी खूब पसंद कर रहे हैं। सज्जन लाल ने बताया कि उन्होंने अर्थशास्त्र विषय से एमए किया था लेकिन रोजगार के बेहतर अवसर नहीं मिलने पर उन्होंने पारंपरिक काश्तकारी को ही अपना व्यवसाय बना लिया। वर्तमान में वह जंगलों से 20 से 25 किलोमीटर दूर जाकर रिंगाल लाते हैं और उससे टोकरी, कंडी समेत विभिन्न उपयोगी सामग्री तैयार करते हैं। कई बार सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन भी किया लेकिन अब तक किसी भी तरह का लाभ नहीं मिल पाया है।

वनाग्नि तैयारियों की समीक्षा की

रुद्रप्रयाग। वनाग्नि की रोकथाम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए वनाग्नि नोडल अधिकारी व मुख्य वन संरक्षक डॉ. विनय भार्गव ने वन प्रभाग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने जाखनी क्रू स्टेशन और अगस्त्यमुनि मॉडल क्रू स्टेशन का निरीक्षण किया। साथ ही मास्टर कंट्रोल रूम मॉनिटरिंग सिस्टम और मोबाइल ऐप से चिह्नित सक्रिय वनाग्नि स्थलों का भी अवलोकन किया। बैठक में वनाग्नि हॉटस्पॉट क्षेत्रों की स्थिति, ड्रोन सर्वेक्षण को प्रभावी बनाने, वनाग्नि की शीघ्र पहचान के लिए रिस्पॉन्स समय कम करने और प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की गई। इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी रजत सुमन, उप प्रभागीय वनाधिकारी और क्षेत्राधिकारी विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

महंगाई के विरोध में युवा कांग्रेस का भैंसा बुग्गी प्रदर्शन, भाजपा सरकार को घेरा

हरिद्वार। बढ़ती महंगाई के विरोध में रविवार को युवा कांग्रेस ने भैंसा बुग्गी पर गैस सिलेंडर और स्कूटी रखकर प्रदर्शन किया। चंद्राचार्य चौक से वाल्मीकि चौक तक निकाले गए जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार पर महंगाई नियंत्रित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है और लोगों के घरेलू बजट पूरी तरह बिगड़ गए हैं। राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा, विधायक रवि बहादुर और ग्रामीण जिलाध्यक्ष बालेश्वर सिंह ने कहा कि यह प्रदर्शन ह्यगूंगी–बहरी सरकारह्ल को जगाने के लिए किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं, जिसके कारण अन्य जरूरी वस्तुओं के दाम भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता महंगाई की मार झेल रही है और केंद्र सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह असफल

साबित हुई है। महिला कांग्रेस कार्यकर्ता विमला पांडे और सुनीता सिंह ने कहा कि महंगाई का सबसे ज्यादा असर महिलाओं की रसोई पर पड़ रहा है। घरेलू गैस और खाद्य पदार्थों के बढ़ते दामों से घर चलाना मुश्किल होता जा रहा है। डॉ. संजय पालीवाल, अधिवक्ता अरविंद शर्मा और राजबीर सिंह चौहान ने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ कर रही है।

गढ़वाल प्राइड लीग का मुकाबला सात से

नई टिहरी। बौराड़ी स्टेडियम में सात जून से शुरू होने वाले गढ़वाल प्राइड क्रिकेट लीग (जीपीएलसी) ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर आयोजक मंडल ने तैयारियां शुरू कर दी है। टिहरी में पहली बार लेदर बॉल से होने वाले इस टूर्नामेंट में विभिन्न क्षेत्रों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। आयोजन मंडल ने पत्रकार वार्ता कर टूर्नामेंट के पोस्टर का लोकार्पण किया। कोटी स्पोर्ट्स क्लब, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम विचार मंच और सम्राट स्पोर्ट्स एकेडमी की संयुक्त पहल पर बौराड़ी स्टेडियम में गढ़वाल प्राइड क्रिकेट लीग का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा और स्थानीय प्रतिभाओं को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जीपीएलसी के संरक्षक कुलदीप पंवार ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक टीम में सात खिलाड़ी टिहरी जिले के होना अनिवार्य किया गया है। सभी टीमों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड का पालन भी जरूरी होगा।उन्होंने बताया कि बाहरी टीमों के लिए पंजीकरण शुल्क 3100 रुपये और स्थानीय टीमों के लिए 2100 रुपये निर्धारित किया गया है। विजेता टीम को 51 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

मणिकर्णिका घाट पर बंद है चेजिंग स्त्म

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के चरम पर पहुंचते ही उत्तरकाशी के मणिकर्णिका घाट पर व्यवस्थाओं की पोल खुलने लगी है। घाट पर बने चेजिंग रूम के बंद होने से तीर्थयात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गंगा स्नान के लिए दूर–दूर से पहुंच रहे श्रद्धालुओं को कपड़े बदलने और सामान सुरक्षित रखने के लिए उचित व्यवस्था नहीं मिल पा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द ही चेजिंग रूम खुलवाने की मांग की। चारधाम यात्रा के दौरान हर दिन बड़ी संख्या में तीर्थयात्री मणिकर्णिका घाट पहुंच रहे हैं लेकिन चेजिंग रूम बंद होने के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और परिवारों को सबसे ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ रही है। यात्रियों को खुले में कपड़े बदलने को मजबूर होना पड़ रहा है। इससे असुविधा के साथ–साथ सुरक्षा और गोपनीयता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। तीर्थयात्रियों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि चारधाम यात्रा जैसे महत्वपूर्ण समय में मूलभूत सुविधाओं का बंद होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं, स्थानीय निवासी राजेश प्रसाद, रमेश लाल, माधव प्रसाद, राजेंद्र सिंह का कहना है कि प्रशासन को यात्रा सीजन शुरू होने से पहले ही सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करनी चाहिए थी लेकिन अब तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शिविर में हृदय रोग विशेषज्ञ ने मरीजों के स्वास्थ्य जांचा

नई टिहरी। भारत हार्ट इंस्टिट्यूट एंड मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल देहरादून की ओर से पालिका सभागार बौराड़ी में निशुल्क हृदय जांच शिविर आयोजित किया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ़ चेतन शर्मा ने मरीजों की जांच कर हृदय रोग बचाव के बारे में बताया। नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ़ शर्मा ने दीप जलाकर शिविर का शुभारंभ किया। पालिका अध्यक्ष रावत ने कहा कि नगर क्षेत्र में हृदय रोग विशेषज्ञ नही है, इसलिए पालिका ने हृदय रोग से संबंधित शिविर लगवाया। डॉ़ शर्मा मरीजों के स्वास्थ्य की जांच करने के बाद ईसीजी करवाया। कहा कि दिनचर्या में बदलाव और गलत खानपान के कारण भी हार्ट संबंधी रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही हैं। सुनील कुकरेती ने बताया कि शिविर में 124 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस मौके पर सभासद विनीत उनियाल, प्रकाश शुक्ला, गजेंद्र, पूजा, हिमानी भट्ट, पवन वर्मा आदि मौजूद थे।

बसपा ने विधान सभा चुनाव की तैयारियों पर किया मंथन

विकासनगर। ब्लॉक सभागार में रविवार को बहुजन समाज पार्टी की कार्यकर्ता समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी राजनीतिक रणनीति, संगठन विस्तार और 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों में अभी से जुटने का आह्वान किया। प्रदेश प्रभारी आदेश कुमार ने कहा कि कार्यकर्ताओं को क्षेत्रीय समस्याओं को जनता के बीच प्रमुखता से उठाना चाहिए और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहकर पार्टी की उपस्थिति मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने सदस्यता अभियान, जनसंवाद और संगठनात्मक बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने पर भी जोर दिया गया।

गंगा दशहरा की पूर्व संध्या पर जाम से हाँफा हरिद्वार

हरिद्वार। चारधाम यात्रा, वीकेंड और सोमवार को होने वाले गंगा दशहरा स्नान के चलते रविवार को हरिद्वार–देहरादून हाईवे समेत शहर के प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया। सुबह से देर शाम तक हाईवे पर वाहन रेंगते नजर आए। दिल्ली और देहरादून की ओर से हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों का दबाव इतना अधिक रहा कि पुलिस की तमाम व्यवस्थाएं कम पड़ गईं।

वहीं, देर शाम गंगा आरती में भीड़ नजर आई। सबसे अधिक जाम चंडीघाट से भूपतवाला और प्रेमनगर पुल से शंकराचार्य चौक तक देखने को मिला। रोड़ीबेलवाला, भीमगोड़ा, हरकी पैड़ी और हाईवे से जुड़े संपर्क मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। भीषण गर्मी और उमस के बीच छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ी। यातायात दबाव बढ़ने पर पुलिस ने भीमगोड़ा क्षेत्र में वन–वे ट्रैफिक प्लान लागू किया, लेकिन इसके बावजूद स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी। भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाए जाने के बाद भी छोटे और निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती रही। हरकी पैड़ी और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। उधर, गंगा दशहरा स्नान और निर्जला एकादशी मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस–प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह हाई अलर्ट मोड पर रखा है। एसएसपी नवनीत सिंह ने स्नान मेले के लिए एसपी सिटी अभय सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

मेले की सुरक्षा व्यवस्था के तहत पूरे मेला क्षेत्र को दो सुपर जोन, 11 जोन और 27 सेक्टरों में बांटा गया है। मेले की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के जरिए चौबीस घंटे नजर रखी जाएगी। एसएसपी नवनीत सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को जनता के प्रति शालीन लेकिन सख्त व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क किनारे वाहनों को खड़ा न होने देने और सभी वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों तक भेजने के आदेश दिए गए हैं।

किशोरी नहाते समय पिंडर नदी में डूबी, अस्पताल ले जाने से पहले हुई मौत

चमोली। कर्णप्रयाग में रविवार को एक किशोरी नहाते समय पिंडर नदी में डूब गई। डीडीआरएफ ने उसका शव बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, कुछ लड़कियां गांधीनगर के नीचे पिंडर नदी में नहाने गई थीं। इस दौरान एक किशोरी अमृता(15) पुत्री मनोज कुमार निवासी गांधीनगर डूब गई।

स्थानीय लोगों व डीडीआरएफ ने टीम के साथ रेस्क्यू व सर्च अभियान चलाया गया तो कुछ देर बाद नदी में से लड़की बेहोशी हालत में मिली। बाहर निकाल कर किशोरी को तत्काल परिजनों व स्थानीय लोगों की सहायता से जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घाषित कर दिया।

कपड़े की दुकान और ठेला जलकर खाक

ऋषिकेश। श्यामपुर स्थित चोपड़ा फार्म में रविवार सुबह एक ठेले पर सिलेंडर से गैस का रिसाव होने से आग लग गई। अफरा–तफरी में ठेला संचालक हादसे में घायल हो गया। भीषण आग ने बगल में ही कपड़े की दुकान को भी चपेट में ले लिया। सूचना के बाद जब तक दमकल टीम मौके पर पहुंची, कपड़े की दुकान के साथ ठेला जलकर राख हो गया।

सूचना के बावजूद दमकल टीम समय पर नहीं पहुंच सकी। बताया गया है कि रविवार सुबह करीब आठ बजे चोपड़ा फार्म में बॉबी संधू ठेले पर काम कर रहा था। इसी बीच सिलेंडर से गैस का रिसाव हुआ तो उसके हाथपांव फूल गए। गैस रिसाव से अचानक आग भड़क गई। आग की लपटें बगल में दीपक भट्ट की कपड़े की दुकान तक पहुंच गईं। ठेले के साथ कपड़े की दुकान में लगी आग को देखकर अफरा–तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने पानी की बौछार करते हुए किसी तरह से आग पर काबू पाया, जबकि दमकल टीम को मौके पर पहुंचने में देर हुई। गनीमत रही कि ठेले के पास ही बिजली का ट्रांसफार्मर आग की चपेट में नहीं आया। ट्रांसफार्मर तक आग पहुंचती तो यह हादसा और भी ज्यादा भीषण हो सकता था। कपड़े की दुकान के संचालक दीपक भट्ट ने बताया कि आग में उनका करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, हादसे में ठेला संचालक बॉबी संधू को हल्की चोटें आई हैं। कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख बीना चौहान ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। सामाजिक कार्यकर्ता विनोद चौहान, नवीन नेगी, कैलाश बिजौला और विवाद भट्ट दमकल टीम के देरी से पहुंचने पर नाराजगी जताई। जाम ने रोका फायर ब्रिगेड का रास्ताल रविवार को श्यामपुर में आग की सूचना पर ऋषिकेश स्थित शैल विहार से सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर फायर बिग्रेड की टीम वाहन लेकर निकली थी, लेकिन पहले हरिद्वार बाईपास मार्ग पर जाम ने उनके वाहन का रास्ता रोक दिया।

गंगा में स्नान करते समय तेज धारा में बहा युवक, लापता

ऋषिकेश। दोस्तों के साथ ऋषिकेश घूमने आया एक किशोर त्रिवेणी घाट पर गंगा नदी में स्नान करते समय तेज धारा में बहकर लापता हो गया। एसडीआरएफ किशोर की तलाश में जुटी रही, लेकिन उसका अभी कोई सुराग नहीं लग पाया है। जानकारी के अनुसार, चार दोस्त अपने घरों से मंदिर जाने की बात कहकर ऋषिकेश पहुंचे थे। तभी उनमे स्नान के दौरान एक किशोर का चश्मा गंगा नदी में गिर गया, जिसे पकड़ने के प्रयास में वह आगे गहरे पानी की ओर चला गया और अचानक गंगा की तेज धारा में बहने लगा। कुछ दूरी तक बहने के बाद किशोर नदी में डूब गया। घाट पर तैनात रेस्क्यू कर्मियों ने आवाज सुनते ही तत्काल गंगा में छलांग लगाकर किशोर को बचाने का प्रयास किया,

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

कोलंबिया में जमीन विवाद बना खूनी संघर्ष, सात की मौत के बाद सेना तैनात

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी इलाके सिल्विया में दो आदिवासी समुदायों के बीच जमीन विवाद हिंसक हो गया। इस संघर्ष में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हालात बिगड़ने के बाद सरकार ने 500 से अधिक सैनिकों और हवाई सहायता को इलाके में तैनात किया है। संघर्ष मिसाक और नासा आदिवासी समूहों के बीच हुआ, जो एक ही जमीन पर अपना दावा करते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने भी मामले पर चिंता जताते हुए शांति बनाए रखने की अपील की है। इलाके में पूर्व फार्क विद्रोही गुटों समेत कई अवैध सशस्त्र संगठन सक्रिय हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है।

तुर्किये की विपक्षी पार्टी में बढ़ा सत्ता संघर्ष, अदालत के फैसले से सियासत गरमाई

अंकारा , एजेंसी। तुर्किए की मुख्य विपक्षी पार्टी सीएचपी में नेतृत्व संकट गहरा गया है। अंकारा की अपील अदालत ने 2023 में हुए पार्टी सम्मेलन को रद्द कर दिया, जिसमें ओजेल को नया अध्यक्ष चुना गया था। अदालत के फैसले के बाद पूर्व अध्यक्ष कीमेल को अंतिम रूप से फिर जिम्मेदारी दी गई है। विपक्ष ने इस फैसले को राजनीतिक साजिश बताया है। दूसरी ओर तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन की सरकार का कहना है कि अदालत स्वतंत्र रूप से काम कर रही है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम पहले से भ्रष्टाचार मामले में जेल में हैं।

गलत तरीके से निर्वासित व्यक्ति को कोर्ट से राहत, मानव तस्करी का मामला खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने किल्मार अब्रेगो गार्सिया के खिलाफ मानव तस्करी से जुड़े आरोपों को खारिज कर दिया है। गार्सिया का मामला तब चर्चा में आया था जब उन्हें गलती से अल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया गया था। अदालत ने माना कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई 'प्रतिशोधात्मक' हो सकती है। जज क्रेनशॉ ने कहा कि अगर गार्सिया ने अपने निर्वासन को चुनौती देने वाला मुकदमा नहीं जीता होता तो सरकार उनके खिलाफ यह मामला नहीं लाती। गार्सिया पर आरोप था कि वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को वाहन से ले जाने के बदले पैसे लेते थे। हालांकि 2022 में ट्रैफिक जांच के दौरान पुलिस ने उन्हें केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया था। ट्रंप प्रशासन अब भी उन्हें किसी तीसरे देश भेजने की तैयारी में है।

चीन की कोयला खदान में धमाका

बीजिंग, एजेंसी। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए गैस विस्फोट में कम से कम 82 लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 मजदूर अब भी भूमिगत फंसे हुए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार यह हादसा शुक्रवार शाम चांगझी शहर स्थित लियूशेनयू कोयला खदान में हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक हादसे के समय खदान में करीब 247 मजदूर मौजूद थे, जिनमें से 201 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विस्फोट के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता मजदूरों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने हादसे की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। शांक्सी प्रांत चीन का प्रमुख कोयला उत्पादन क्षेत्र माना जाता है। पिछले साल यहां करीब 1.3 अरब टन कोयले का उत्पादन हुआ था, जो चीन के कुल उत्पादन का लगभग एक-तिहाई है।

आरोन लुकास बनेंगे अमेरिका के नए कार्यवाहक खुफिया प्रमुख

वॉशिंगटन, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी खुफिया जिम्मेदारी में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस अहम बदलाव की घोषणा खुद देश के शीर्ष नेता ने की है। बता दें कि ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। उन्होंने देश की खुफिया एजेंसियों के नेतृत्व को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण जानकारी पूरी दुनिया के साथ साझा की है और नए अधिकारी के नाम का भी ऐलान कर दिया है। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस की निदेशक तुलसी गबार्ड अपने पद से इस्तीफा देने जा रही हैं। वह आने वाली 30 जून को अपना पद पूरी तरह छोड़ देंगी। यह फैसला उन्होंने किसी राजनीतिक कारण से नहीं, बल्कि एक दुखद पारिवारिक स्थिति की वजह से लिया है। उनके पति इब्राहिम को हाल ही में हड्डियों के कैंसर (बोन कैंसर) जैसी दुर्लभ और गंभीर बीमारी का पता चला है। ऐसे मुश्किल समय में अपने पति का साथ देने और उनके इलाज में मदद करने के लिए गबार्ड ने यह बड़ा पद छोड़ने का मन बनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपना इस्तीफा साझा करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पति के साथ रहना ही उनके लिए सबसे जरूरी है।

तुलसी गबार्ड ने डोनाल्ड ट्रंप कैबिनेट से इस्तीफा दिया, अचानक लिया फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया है। यह जानकारी फॉक्स न्यूज डिजिटल की एक रिपोर्ट में दी गई है, जिसमें उनके इस्तीफे के पत्र का हवाला दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गबार्ड ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ट्रंप को अपने पद छोड़ने के फैसले की जानकारी दी। गबार्ड का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है जो 30 जून से प्रभावी होगा।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे के पत्र में डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि वह उनकी ओर से जताए गए भरोसे और पिछले डेढ़ साल तक राष्ट्रीय खुफिया कार्यालय का नेतृत्व करने के अवसर के लिए आभारी हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, गबार्ड ने इस्तीफे की वजह अपने पति को हाल ही में हुई हड्डियों के कैंसर की दुर्लभ बीमारी का पता चलना बताया है।

तुलसी गबार्ड ने अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए पोस्ट में लिखा, 'मैंने इस्तीफा दिया है जो 30 जून 2026 से प्रभावी होगा। मेरे पति अब्राहम का हाल ही में हड्डी के कैंसर का बेहद दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। आने वाले हफ्तों और महीनों में उनके सामने बहुत बड़ी चुनौतियां हैं। इस समय मुझे सार्वजनिक सेवा से अलग होकर उनके साथ रहना है और इस लड़ाई में उन्हें पूरा सहयोग देना है।

तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर क्या बोले ट्रंप : वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुलसी गबार्ड के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'दुर्भाग्य से, शानदार काम करने के बाद तुलसी गबार्ड 30 जून को प्रशासन छोड़ रही हैं। उनके प्यारे पति अब्राहम को हाल ही में हड्डी के कैंसर का दुर्लभ डायग्नोसिस हुआ है। वे सही मायने में उनके साथ रहना चाहती हैं ताकि उन्हें अच्छा स्वास्थ्य वापस दिला सकें। वे इस कठिन लड़ाई को साथ मिलकर लड़ रहे हैं। मुझे कोई शक नहीं है कि वह जल्द ही पहले से भी बेहतर हो जाएंगे।' उन्होंने कहा कि तुलसी ने अद्भुत काम किया है और हम उन्हें बहुत मिस करेंगे। उनके बेहद सम्मानित प्रिंसिपल डिप्टी डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस, एरॉन लुकास अब एक्टिंग डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस के रूप में कार्य करेंगे।

तुलसी गबार्ड के बारे में जानिए : तुलसी गबार्ड का जन्म 12 अप्रैल 1981 को अमेरिकन समोआ में हुआ था। उन्होंने हवाई से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चार बार सांसद के रूप में काम किया। बाद में उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी छोड़ दी और 2024 के अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया। इसके बाद उन्हें 2025 में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक बनाया गया। तुलसी गबार्ड का भारत से सीधा पारिवारिक संबंध नहीं है, क्योंकि वे भारतीय मूल की नहीं हैं। हालांकि उनका हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति से गहरा जुड़ाव है। उनकी मां हिंदू धर्म से प्रभावित थीं और उन्होंने अपने सभी बच्चों को संस्कृत नाम दिए। तुलसी नाम हिंदू धर्म में पवित्र पौधे से जुड़ा है।

भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित : तुलसी गबार्ड बचपन से ही भगवद गीता और वैष्णव परंपरा से प्रभावित रही हैं। वे अमेरिकी कांग्रेस में चुनी जाने वाली पहली हिंदू-अमेरिकी महिला बनीं और उन्होंने शपथ भी भगवद गीता पर ली थी। भारत के साथ उनके रिश्ते राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर मजबूत रहे हैं। उन्होंने कई बार भारत का दौरा किया और भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने की वकालत की। 2014 में उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवद गीता की प्रति भेंट की थी। वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के समर्थन में भी खुलकर सामने आई थीं। मार्च 2025 में उन्होंने भारत का दौरा कर आतंकवाद और सुरक्षा सहयोग पर भारतीय अधिकारियों से चर्चा की थी। हिंदू पहचान और भारत के प्रति सकारात्मक रुख के कारण भारत में भी उनकी काफी चर्चा होती रही है।

सेलिब्रिटी बना 700 किलो का 'डोनाल्ड ट्रंप' भैंसा, सेल्फी की मची होड़!

ढाका, एजेंसी। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मौके पर बांग्लादेश में एक बेहद दुर्लभ 'एल्बिनो' (सफेद) भैंसा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे सुनहरे बालों वाले इस 700 किलो के भैंसे को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। नेटिजंस के बीच भी इस अनोखे भैंसे के वीडियो और तस्वीरें तेजी से शेयर की जा रही हैं, क्योंकि आमतौर पर भारत और उपमहाद्वीप में काले रंग के ही भैंसे पाए जाते हैं। ऐसे में इस दुर्लभ प्रजाति को देखना पशुपालकों और आम जनता के लिए भी कौतूहल का विषय बन गया है। हालांकि कुछ ही दिनों में इस भैंसे की गर्दन कटने वाली है।

'डोनाल्ड ट्रंप' नाम और खास लुक का राज : राजधानी ढाका के पास नारायणगंज जिले के एक फार्म में पले इस भैंसे का लुक काफी अनोखा है। इसका शरीर क्रीम रंग का है और नाक गुलाबी है। सबसे खास बात इसके माथे पर मौजूद सुनहरे बालों का गुच्छा है, जो बिल्कुल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेडमार्क हेयरस्टाइल जैसा दिखता है। इसी समानता के कारण फार्म मालिक के परिवार ने इसका नाम ही 'डोनाल्ड ट्रंप' रख दिया। इसकी एक झलक पाने और इसके साथ सेल्फी लेने के लिए दूर-दूर के जिलों से लोग फार्म पर पहुंच रहे हैं।

शांत स्वभाव और वीआईपी केयर : आमतौर पर भैंसे अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं, लेकिन यह एल्बिनो भैंसा इसके बिल्कुल उलट है। फार्म मालिक के मुताबिक, यह जानवरों की एक बेहद शांत प्रजाति है। 'इसका रूप भले ही चौंकाने वाला हो, लेकिन यह स्वभाव से बहुत शांत है। यह एक एल्बिनो भैंसा है और इस तरह के जानवर तब तक उग्र नहीं होते जब तक उन्हें उकसाया या परेशान न किया जाए।' ईद के त्योहार से पहले इसे पूरी तरह स्वस्थ रखने के लिए इसकी खास देखभाल की गई। इसे दिन में चार बार नहलाया जाता था और चार बार विशेष चारा दिया जाता था। फिलहाल इस भैंसे को कुर्बानी के लिए एक ग्राहक को सौंप दिया गया है। बता दें कि बकरीद यानी ईद-उल-अजहा 28 मई, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। इसी दिन इस भैंसे की कुर्बानी होगी। मुस्लिम बहुल देश बांग्लादेश में पिछले कुछ सालों से ईद-उल-अजहा के दौरान एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। विशालकाय जानवरों की मांगः लोग सामान्य से कहीं ज्यादा वजन और ऊंचाई वाले जानवरों को खरीदना पसंद करते हैं। सेलिब्रिटी के नामः खरीदारों को आकर्षित करने और मार्केटिंग के लिए जानवरों के नाम मशहूर राजनेताओं, खिलाड़ियों या फिल्मी सितारों पर रखे जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की हत्या की कोशिश नाकाम, आईआरजीसी ने रची थी साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) द्वारा प्रशिक्षित एक आतंकवादी ने उनकी हत्या की कोशिश की थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में पकड़े गए मोहम्मद बाकिर साद दाऊद अल-सादी ने इवांका ट्रंप की हत्या करने की कमस खाई थई। उसके पास उनके फ्लोरिडा स्थित घर का नक्शा भी मिला है। यह साजिश छह साल पहले बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी सैन्य प्रमुख कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची गई थी।

इराकी नागरिक अल-सादी को सुलेमानी की मौत का गहरा सदमा था और वह उसे अपने पिता समान मानता था। वाशिंगटन में इराकी दूतावास के पूर्व उप सैन्य अताशे इंतिफाद कनबर ने बताया, 'कासिम की मौत के बाद अल-सादी लोगों से कहता फिरता था कि हमें इवांका को मारना होगा ताकि ट्रंप के घर को वैसे ही जलाया जा सके जैसे उसने हमारे घर को जलाया था।' अल-सादी ने एक्स फ्लोरिडा के उस इलाके का नक्शा भी पोस्ट किया था जहां इवांका और उनके पति जैरेड कुशनर का 24 मिलियन डॉलर का घर है। अरबी में लिखी अपनी पोस्ट में उसने धमकी देते हुए लिखा, ''अमेरिकियों इस तस्वीर को देखो और जान लो कि न तुम्हारे महल और न ही सीक्रेट सर्विस तुम्हें बचा पाएगी। हमारा बदला बस समय की बात है।' अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, अल-सादी को 15 मई 2026 को तुर्की में उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह रूस जाने की फिराक में था। उसे अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है, जहां उस पर यूरोप और अमेरिका में 18 हमलों और हमलों की कोशिशों के आरोप हैं। जांच में पता चला है कि गिरफ्तारी के समय अल-सादी के पास इराक का सर्विस पासपोर्ट था। यह एक विशेष यात्रा दस्तावेज है जो केवल इराक के प्रधानमंत्री की सहमति से सरकारी कर्मचारियों को जारी किया जाता है। इस पासपोर्ट की मदद से उसे हवाई अड्डों पर वीआईपी लाउंज और सुरक्षा जांच में छूट मिलती थी, जिससे वह आसानी से उन देशों के वीजा हासिल कर लेता था जहां उसने हमलों की योजना बनाई थी।

क्यूबा पर अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने किया बड़ा दावा, बोले- जल्द ही आजाद होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि क्यूबा जल्द ही साम्यवाद के चंगुल से आजाद हो जाएगा। अमेरिकी सांसदों और क्यूबा के अधिकारियों के बीच बढ़ते वार-पलटवार के बीच यह टिप्पणी सामने आई है। सीनेटर ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा के अद्भुत लोगों की साम्यवाद के चंगुल से मुक्ति बहुत करीब है। क्यूबा लिबरे। अमेरिकी प्रतिनिधि कार्लोस ए. जिमेनेज ने भी क्यूबा में राजनीतिक बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, 'क्यूबा जल्द ही स्वतंत्र होगा। यह अनगिनत लोगों के प्रयासों से संभव होगा, जो क्यूबा के अंदर और बाहर दोनों जगह मौजूद हैं। अी बहुत देर नहीं हुई है। क्यूबा का अमेरिका पर आरोप वहीं, क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल ने अमेरिका की आलोचना की है। उन्होंने वॉशिंगटन के अधिकारियों पर क्यूबा के प्रति शत्रुता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ने कहा, 'क्यूबा का अमेरिका के लिए खतरा होना केवल कुछ अमेरिकी अधिकारियों के बीमार दिमाग में ही संभव है, जिन्होंने हमारे द्वीप के प्रति नीति का अपहरण कर लिया है। वे इस राष्ट्र के लोगों और दुनिया को बेशर्मी से झूठ बोलकर एक नए अकारण युद्ध को उचित ठहराते हैं, जिसमें दोनों देशों के लिए मानवीय जीवन का उच्च जोखिम है।'

सामूहिक विरोध प्रदर्शन : क्यूबा के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि 250,000 से अधिक क्यूबा के नागरिक सेना जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए एकत्र हुए थे। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कार्यालय ने कहा, 'क्रांति के नेता, क्यूबा क्रांति के जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए आज सुबह ऐतिहासिक एंटी-इंपीरियलिस्ट ट्रिब्यून पर 250,000 से अधिक क्यूबावासी एकत्र हुए। उनके साथ राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल बर्मुडेज भी थे।

लोकतंत्र समर्थक नेता से मुलाकात : वेटिकन में अमेरिकी दूतावास के ब्रायन बर्च ने क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिन्होंने क्यूबा शासन की दमनकारी प्रकृति को प्रत्यक्ष रूप से झेला है। फेरर को बुनियादी स्वतंत्रता की मांग करने के कारण निर्वासन में जाने के लिए मजबूर किया गया था।'

ट्रंप ने की थी मानवीय सहायता की पेशकश : इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका क्यूबा की चल रही आर्थिक और बिजली संकट के बीच मानवीय आधार पर सहायता करना चाहता है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने इस अटकलों को खारिज कर दिया कि क्षेत्र के पास विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज की तैनाती का उद्देश्य क्यूबा सरकार को डराना था।

उन्होंने कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं। क्यूबा एक विफल देश है। हर कोई यह जानता है। उनके पास बिजली नहीं है, उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास वास्तव में कुछ भी नहीं है। उनके पास भोजन नहीं है। और हम उनकी मदद करेंगे। मैं सबसे पहले, मानवीय आधार पर उनकी मदद करना चाहता हूं।

शांति वार्ता बेपटरी: अराघची बोले-अमेरिका की अत्यधिक मांगें बनीं रोड़ा, ईरान पर हमले को तैयार ट्रंप सेना?

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा कूटनीतिक गतिरोध अब एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। तेहरान ने वाशिंगटन पर शांति प्रयासों को पूरी तरह नाकाम करने का आरोप लगाया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ फोन पर सीधी और विस्तृत बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने दोटूक लहजे में कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें ही जारी शांति वार्ताओं और युद्धविराम समझौते के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं।

कूटनीति और समझौतों को तोड़ने का आरोप : विदेशी मीडिया रिपोर्ट अल जजीरा के हवाले से सामने आई इस खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री अराघची ने बातचीत के दौरान अमेरिका की नीयत पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने लगातार अपने वादों को तोड़कर, विरोधाभासी रुख अपनाकर और सैन्य आक्रामकता दिखाकर कूटनीतिक प्रयासों को हमेशा कमजोर किया है। अराघची ने कहा कि इन तमाम विपरीत परिस्थितियों और अमेरिकी दबाव की राजनीति के बावजूद तेहरान लगातार युद्धविराम वार्ताओं में सकारात्मक रूप से शामिल है और बातचीत के जरिए समाधान का रास्ता तलाश रहा है। अराघची ने यह भी कहा कि एक तरफ सैन्य हमलों की धमकियां और दूसरी तरफ शांति का ढोंग, अमेरिका की यह विरोधाभासी और दबाव की राजनीति अब नहीं चलेगी। ईरान अपनी संप्रभुता की कीमत पर अमेरिका के आगे कभी घुटने नहीं टेकेगा।

व्हाइट हाउस में हलचल और सैन्य हमलों की आहट : इस बीच सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सनसनीखेज और परेशान करने वाली खबर सामने आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सिरे से सैन्य हमले करने की गंभीर योजना बना रहा है। अमेरिकी खुफिया सूत्रों के हवाले से 'सीबीएस न्यूज' ने दावा किया है कि शुक्रवार को अमेरिकी प्रशासन ईरान पर हमलों के एक नए दौर की रणनीतिक तैयारियों में जुटा था। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि इन हमलों को लेकर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इस संभावित सैन्य कार्रवाई की खबर मिलते ही अमेरिकी सेना और खुफिया समुदाय के कई बड़े अधिकारियों ने अपने 'मेमोरियल डे वीकेंड' की छुट्टियां और प्लान तक रद्द कर दिए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी न्यू जर्सी में अपने गोल्फ रिसॉर्ट पर वीकेंड बिताने और अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी में शामिल होने का कार्यक्रम रद्द कर दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की और कहा कि देशहित और सरकार से जुड़ी महत्वपूर्ण परिस्थितियों के कारण उनका इस समय व्हाइट हाउस में उपस्थित रहना बेहद जरूरी है। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र के सूत्रों के मुताबिक महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। गुटेरेस ने स्पष्ट शब्दों में किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग या सैन्य कार्रवाई के विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध इमिग्रेशन को हिंसक अपराध से जोड़ा, शरणार्थी शहर नीतियों की आलोचना की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के उपनगरीय इलाके में एक रैली के दौरान शरण देने वाले शहरों की नीतियों और अवैध आप्रवासन (इमिग्रेशन) की कड़ी आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने रिपब्लिकन नेताओं का समर्थन किया और अपने प्रशासन के आर्थिक एजेंडे पर भी प्रकाश डाला। शुक्रवार को रॉकलैंड कम्युनिटी कॉलेज के यूजीन लेवी फील्डहाउस में बोलते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर उच्च करों और अपराध के जरिए व्यवसायों और करदाताओं को न्यूयॉर्क से बाहर धकेलने का आरोप लगाया। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, 'कंपनियां जा रही हैं, अमीर लोग जा रहे हैं। अगर न्यूयॉर्क अपना टैक्स आधार खोता रहेगा तो वह कभी पहले जैसा नहीं रह पाएगा। राष्ट्रपति ने शरण देने वाले शहरों की नीतियों की बार-बार आलोचना की और अवैध आप्रवासन को हिंसक अपराध से जोड़ा। उन्होंने इस साल की शुरुआत में शिकागो में मारे गए न्यूयॉर्क के 18 वर्षीय कॉलेज छात्रा शेरिडन गोरमन के परिवार को मंच पर आमंत्रित किया। छात्रा की मां जेसिका गोरमन ने कहा, 'मेरी प्यारी बेटी शेरिडन ग्रेस गोरमन की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जब वह शिकागो में अपने दोस्तों के साथ अपने कैंपस से कुछ ही ब्लॉक दूर एक घाट पर टहल रही थी। शेरिडन के पिता टॉम गोरमन ने इस हत्या के लिए आव्रजन संबंधी विफलताओं और शरण कानूनों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'अवैध आव्रजन अलग है। आपराधिक अवैध आव्रजन अलग है। सीमाएं मायने रखती हैं, कानून मायने रखते हैं और प्रवर्तन मायने रखता है। ट्रंप ने संदिग्ध को 'एक अवैध अप्रवासी राक्षस' बताया और कहा कि उसे इस देश में कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रंप ने कहा, 'न्यूयॉर्क राज्य ने ऐसा बजट पारित किया है, जिसमें संघीय आव्रजन प्रवर्तन में बाधा डालने और इसे एक घातक शरण राज्य बनाए रखने के प्रावधान शामिल हैं।' राष्ट्रपति ने 'सेव अमेरिका एक्ट' के लिए अपने अभियान को दोहराया और मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण तथा डाक के जरिए मतदान पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की। ट्रंप ने कहा, 'जरा सोचिए, मतदाता पहचान पत्र, नागरिकता प्रमाण और डाक द्वारा मतपत्र भेजना लगभग खत्म हो गया है, सिवाय उन परिस्थितियों के जब इसकी वास्तव में जरूरत हो। रैली में आव्रजन, टैक्स और अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होती रही। ट्रंप ने लॉमेकर माइक लॉलर की राज्य और स्थानीय कर छूट (एसएएलटी) को बहाल करने में मदद करने के लिए प्रशंसा की।

यूएन सुरक्षा परिषद का विस्तार किया जाना परम आवश्यक है - महासचिव

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने कहा है कि दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में अपने वीटो अधिकार का इस्तेमाल करने वाली 'महाशक्तियों' को रोकने के लिए यह ज़रूरी है कि परिषद का विस्तार हो ताकि उसे वर्तमान दौर की वास्तविकताओं के अनुरूप आकार दिया जाए सके. यूएन प्रमुख एंतोनियो गुटेरेश, जापान और यूएन के बीच पारस्परिक सहयोग के 70 वर्ष पूरे होने के सिलसिले में जापान की अपनी आधिकारिक यात्रा के अन्तिम पड़ाव में हैं, जहाँ उन्होंने एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए यह बात कही.

महासचिव गुटेरेश ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधारों की लम्बित मांग को फिर से दोहराया. उनके अनुसार, वैश्विक स्तर पर समस्याओं के हल ढूंढने का मौजूदा तंत्र, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद व अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ, उतने कारगर नहीं हैं, जितना कि इस चुनौतीपूर्ण क्षण में उन्हें होना चाहिए.यूएन प्रमुख ने ज़ोर देकर कहा कि जिस सुधार की इस समय सबसे अधिक आवश्यकता है, वह यूएन सुरक्षा परिषद का सुधार है.वैधता की समस्या15 सदस्य देशों वाली यूएन सुरक्षा परिषद में 5 स्थाई सदस्य हैंः चीन, फ़्राँस, ब्रिटेन, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जिनके पास वीटो अधिकार भी हैं. वहीं, 10 अस्थाई सदस्य देशों को दो वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित किया जाता है.

महासचिव गुटेरेश ने सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने की पैरवी करते हुए कहा कि परिषद में केवल एक एशियाई देश को शामिल किया गया है, जबकि उस महाद्वीप पर दुनिया की लगभग 50 फ़ीसदी आबादी बसी है. इसके अलावा, किसी भी अफ़्रीकी या लातिन अमेरिकी देश को सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है. 'यह वैधता और कारगर न हो पाने की एक गम्भीर समस्या है, और यह परम-आवश्यक है कि स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाना भी, ताकि सुरक्षा परिषद को वर्तमान विश्व की वास्तविकताओं के अनुरूप तैयार किया जा सके. 'उन्होंने एक ऐसी बहुपक्षवादी प्रणाली पर बल दिया, जोकि पहले से कहीं अधिक न्यायसंगत हो, अन्तरराष्ट्रीय क़ानून की बेहतर ढंग से रक्षा करने में सक्षम हो, और देशों की जवाबदेही तय कर सके.यूएन प्रमुख ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र, शान्ति, सतत विकास व मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक अति-आवश्यक, अपने आप में अनूठा बैठक स्थल है, लेकिन यह उतना ही मज़बूत हो सकता है, जितना सदस्य देश इसके लिए प्रतिबद्ध हों.बुरे उदाहरणों से बचना होगायूएन महासचिव से सवाल किया गया कि क्या संयुक्त राष्ट्र जैसी अन्तरराष्ट्रीय संस्थाएँ, हिंसक टकराव की रोकथाम कर सकती हैं या नहीं.उन्होंने जवाब में कहा कि यह बहुपक्षवाद नहीं है, जोकि संकट में है. उन्होंने 'अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन करने वाली महाशक्तियों के बर्ताव का उल्लेख किया, जो कभी-कभी अपने आप हिंसक टकराव खड़ा करती हैं और दंडहीनता की गारंटी के लिए सुरक्षा परिषद में वीटो अधिकार का इस्तेमाल करती हैं. 'यूएन प्रमुख ने कहा कि इस वजह से संयुक्त राष्ट्र सचिवालय के लिए दुनिया भर में हिंसक टकरावों की संख्या में आई नाटकीय वृद्धि को रोक पाना कठिन हो जाता है. 'चूँकि जब बुरे उदाहरण, महाशक्तियों से मिलते हैं तो विश्व भर में मध्यम-आकार की शक्तियाँ सोचती हैं कि वे जो कुछ चाहती हैं उसे किया जा सकता है, बिना किसी दंड के. 'उन्होंने कहा कि अब ऐसे अनेक देश हैं, जिनका हिंसक टकराव से ग्रस्त देशों में स्थाई रूप से बाहरी हस्तक्षेप है, और इस स्थिति लड़ाई को रोकना और मध्यस्थता कर पाना अत्यधिक कठिन हो जाता है. और इसलिए, सुरक्षा परिषद में सुधार किया जाना अहम है.आवाजाही की स्वतंत्रतायूएन प्रमुख के अनुसार, बढ़ती मुद्रास्फीति व जीवन-व्यापन की ऊँची क़ीमतों का संकट, मध्य पूर्व क्षेत्र में व्याप्त तनाव व अशान्ति की वजह से और बिगड़ता जा रहा है. ईंधन, उर्वरक, कच्चे माल समेत अन्य सामान की क़ीमतों में भारी उछाल आया है और बड़ी संख्या में देशों के लिए चुनौतियाँ बढ़ रही हैं।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया। उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत : उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्‌गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना

हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत : ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत : उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत : व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत : उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत : यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत : सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन : पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

गुरिंदरवीर ने रचा इतिहास, 100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रांची (एजेंसी)। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। इसी के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी। यह अपने आप में एक कड़े मुकाबले का संकेत था पर फाइनल में गुरिंदरवीर ने अपनी पूरी वापसी करते हुए, 10.09 सेकंड समय निकालर कर इतिहास रचा, बल्कि अनिमेष के 10.20 सेकंड के समय को भी पीछे छोड़ दिया।

गुरिंदरवीर की दौड़ की शुरुआत अविश्वसनीय रूप से तेज रही और उन्होंने पूरी रेस में अपनी बढ़त बनाए रखी। फिनिश लाइन पार करते ही, उन्होंने जोश में अपनी जर्सी से बिब नंबर निकालकर ट्रैक पर फेंक दिया और जोरदार अंदाज में अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। उनके बिब पर स्पष्ट रूप से लिखा था, 'काम अभी पूरा नहीं हुआ' और उसके नीचे '10.10S' अंकित था, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से पार कर दिखाया। यह उनके निजी लक्ष्य और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।यह उपलब्धि गुरिंदरवीर के लिए एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर दर्शाती है। तीन साल पहले, उन्हें पाचन संबंधी गंभीर बीमारी के कारण एक साल तक ट्रैक से दूर रहना पड़ा था। उस मुश्किल समय में उन्हें सिस्टम से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन बाद में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद उनकी ट्रेनिंग, फिटनेस और प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि अनिमेष और अन्य साथी खिलाड़ियों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने उन्हें लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया है, जिससे भारतीय स्प्रिंटिंग में एक नया जोश पैदा हुआ है। अब इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, गुरिंदरवीर और अनिमेष दोनों ने आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह दोनों धावकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है।

ISSF विश्व कप में मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले करेंगे भारतीय टीम की अगुवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले की अगुवाई में 35 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम 24 से 30 मई तक जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले ISSF विश्व कप 2026 में प्रतिस्पर्धा करेगी। म्यूनिख निशानेबाजी स्पर्धा राइफल और पिस्टल शूटर्स के लिए इस साल का दूसरा ISSF विश्व कप है।भारत ने पिछले महीने स्पेन के ग्रेनाडा में हुए पहले विश्व कप में मुकेश नेलावल्ली और पलक गुलिया ने 10मी एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

पेरिस 2024 मेडलिस्ट मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले के शामिल होने से म्यूनिख लेग से पहले इंडियन टीम मजबूत हुई है। दोनों ने ग्रेनाडा में सीजन-ओपनर में हिस्सा नहीं लिया था।स्वप्निल ने दो साल पहले 50मी राइफल थ्री पोजीशन में ओलंपिक कांस्य पदक जीता था। अब वह अपनी पसंदीदा स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। मनु भाकर महिलाओं की 10मी एयर पिस्टल और 25मी पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, इसके अलावा 10मी एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लेंगी। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और एशियन गेम्स मेडलिस्ट ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर भी टीम में वापस आ गए हैं, जबकि सरबजोत सिंह, जिन्होंने पेरिस 2024 में 10मी पिस्टल मिक्स्ड टीम कांस्य पदक के लिए मनु के साथ पार्टनरशिप की थी, बाहर बैठेंगे।

भारत की पुरुषों की 10मी एयर पिस्टल लाइन-अप में वर्ल्ड चैंपियन सम्राट राणा शामिल हैं। सुरुचि सिंह, जो 2025 में तीन बार आईएसएसएफ वर्ल्डकप विनर और वर्ल्डकप फाइनल चैंपियन रह चुकी हैं, महिलाओं और मिक्स्ड 10मी एयर पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ओलंपियन ईशा सिंह, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीता था, 10मी और 25मी पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ISSF विश्व कप में प्रत्येक स्वर्ण पदक विजेता साल के आखिर में होने वाले ISSF विश्व कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है, जो दिसंबर में इटली के रोम में होगा।

आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के

–वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये रहे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनरासइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनो ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनो के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया।

यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा।

रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरें अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल

के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं।

वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिकेल्टन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है।

आईपीएल में छक्कों का बढ़ता ग्राफ साफ तौर पर देखा जा सकता है- जहां 2023 में 1124 छक्के लगे थे, वहीं 2024 में यह संख्या 1260 तक पहुंची, पिछले सीजन 2025 में 1294 छक्के दर्ज किए गए, और अब 2026 में यह आंकड़ा 1305 तक पहुंच चुका है। यह सीजन बल्लेबाजों के दबदबे और आक्रामक क्रिकेट का पर्याय बन गया है।

राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराया, प्लेऑफ में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 30 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। टीम के लिए ध्रुव जुरेल ने 38 रन, जोफ्रा आर्चर ने तेज़ 32 रन और दसुन शनाका ने 29 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वहीं रवींद्र जडेजा ने नाबाद 19 और नंद्रे बर्गर ने 3 गेंदों में 10 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दूल ठाकुर

ने 2-2 विकेट हासिल किए।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा बिना खाता खोले आउट हो गए। हालांकि सूर्यकुमार यादव ने 60 रन और हार्दिक पंड्या ने 34 रनों की तेज़ पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। विल जैक्स ने भी 33 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी। राजस्थान की जीत के हीरो जोफ्रा आर्चर रहे, जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 3 विकेट झटके। ब्रिजेश शर्मा और यश पुंजा ने 2-2 विकेट लेकर मुंबई की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। राजस्थान ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लखनऊ सुपरजायंट्स करेगी बदलाव, ऋषभ को कप्तानी से हटाया जाना तय

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी में लगातार दसरे सत्र में भी लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल में बेहद खराब रहा है और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली करारी हार के साथ ही टीम का सफर भी समाप्त हो गया।

सुपरजायंट्स की टीम लीग में केवल 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथह ही अंतिम स्थान पर रही, ऐसे में कप्तान ऋषभ पंत पर गाज गिरनी तय है। माना जा रहा है कि अब प्रबंधन ऋषभ को कप्तानी से हटाने जा रहा है। प्रबंधन अगले सत्र को देखते हुए बड़े बदलाव कर सकता है। टीम के डायरेक्टर टॉम मूडी ने संकेत दिये हैं कि अगले सत्र में टीम नये कप्तान के साथ उतरेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मूडी ने स्पष्ट किया, जहां तक नेतृत्व की बात है, जिसमें बदलाव को लेकर गंभीरता से विचार किया जाएगा। ऐसा लगता है कि हमें एक नए सिरे से शुरुआत करने पर विचार करने की आवश्यकता है। इस बयान से साफ है कि ऋषभ की कप्तानी जाना तय है।

इस आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज को हटाए जाने के कई कारण बताए हैं। उनमें से एक ये भी है कि कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है।

मेगा नीलामी के लिए लखनऊ ने एक अच्छी टीम तैयार की थी पर वह खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाये। इस्तेमाल करने में नाकाम साबित हुए। उनके कई फैसले भी गलत रहे। वह स्वयं सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। जिसके कारण निकोलस पूरन को मध्यक्रम में उतारा गया पर ये प्रयोंग विफल रहा। इसके बाद पूरन को तीसरे नंबर पर उतरा गया। इस प्रकार ये सत्र बल्लेबाजी क्रम में बदलाव में ही रह गया। इसा पूरा नुकसान टीम को हुआ। इस तरह पूरे सत्र में कप्तान केवल टीम संयोजन में ही लगे रहे। इससे टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। इसी कारण ऋषभ को कप्तानी खोनी

पड़ रही है।

ऋषभ का स्वयं का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वहीं आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैचों में 138.05 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 312 रन बनाए, जिसमें वह सिर्फ एक बार 50 रन से ऊपर पहुंच पाये। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन खराब रहा और वह केवल 269 रन बना पाये थे। इससे साफ है कि कप्तानी के बोझ से उनकी बल्लेबाजी प्रभवित हो रही है।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आंखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ–साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखें और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा। अर्जुन के प्रभावी प्रदर्शन के बाद भी हालांकि सुपरजायंट्स इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पायी।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी

लखनऊ । अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीज़न में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

– बेटे आगे बढ़ा रहे विरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में 'दीवार' के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा। उनकी कोचिंग में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ।

11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डॉ. विजेता पेंढारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं।

अब द्रविड़ परिवार की क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कूच बेहार ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। जब सिमंस से पूछा गया कि क्या धोनी अगले सीजन में उपलब्ध रहेंगे, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह फैसला पूरी तरह धोनी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से धोनी को दौड़ने में काफी परेशानी हो रही थी, जिसके कारण वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी कभी व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन यदि वह खुद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौके भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज हारते ही पाकिस्तान टीम पर बरसे कोच सरफाराज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफाराज अहमद ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 2–0 की शर्मनाक हार पर निराशा जताते हुए टीम को कड़ी फटकार लगायी है। सिलहट में हुए दूसरे और अंतिम टेस्ट में 58 रन से मिली हार के बाद सरफराज ने टीम बैठक में खिलाड़ियों की नकारात्मक मानसिकता और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। इस दौरान टीम मैनेजर नवेद चीमा और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित थे। सरफराज ने विशेष रुप से बल्लेबाजों पर निशाना साधा और कहा कि खिलाड़ी केवल अपने आंकड़ों के लिए खेलते दिखे। कही भी ऐसा नहीं लगा कि टीम के लिए खेल रहे हों। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा होना चाहिए पर उसका लाभ टीम को नहीं मिले तो कोई मतलब नहीं निकलता। । पूरी सीरीज में टीम का एक भी बल्लेबाज 200 रन तक नहीं पहुंच सका। केवल युवा अजान अवैस ने ही शतक लगाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी से नहीं खेलने का भी आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार सरफराज, कप्तान शान मसूद की खराब कप्तानी से भी नाराज दिखे। उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में कमजोरी और डिआरएस रिव्यू नहीं लेने जैसे मामलों पर भी सवाल उठाये। गौरतब है कि दूसरे टेस्ट में पाक टीम ने बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ अहम रिव्यू नहीं लिया जब लिटन दास 52 रन पर थे पर बाद में , उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बांग्लादेश ने इससे 6 विकेट पर 116 रनों के बाद भी मैच में वापसी कर ली। ये भी कहा जा रहा है कि सरफराज जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे तक मुख्य कोच बने रहेंगे। पाक टीम को वेस्टइंडीज में वहां दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके बाद इंग्लैंड दौरा भी होना है। इस दौर में शॉन मसूद यायद ही कप्तान रहें। उनकी कप्तानी में पाक टीम 16 टेस्ट में से 12 हारी है।

श्रेयस अय्यर ने बनाया खास रिकॉर्ड, आईपीएल में लक्ष्य हासिल करते हुए शतक लगाने वाले चौथे कप्तान बने

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (PBKS) के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के इतिहास में रन चेज करते हुए सेंचुरी बनाने वाले चौथे कप्तान बन गए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ 'करो या मरो' वाले मैच में अय्यर, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन के साथ IPL की एक खास लिस्ट में शामिल हो गए। उन्होंने 51 गेंदों में 101* रन बनाए जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल थे, और उनका स्ट्राइक रेट 198.04 रहा।

इससे पहले रन चेज़ करते हुए शतक लगाने वाले कप्तान वीरेंद्र सहवाग (2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 119 रन), विराट कोहली (2016 में राइज़िंग पुणे सुपर जायंट के खिलाफ 108* रन) और संजू सैमसन (2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 119 रन) थे। अय्यर, केएल राहुल (2020 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 132*) और एडम गिलक्रिस्ट (2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ

106 रन) के बाद IPL में शतक लगाने वाले तीसरे PBKS कप्तान भी बन गए हैं। इतना ही नहीं अय्यर ने टी20 क्रिकेट में अपने 7000 रन भी पूरे कर लिए हैं। अब तक 254 टी20 मैचों की 247 पारियों में अय्यर ने 35.02 की औसत और 135 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 7,076 रन बनाए हैं जिसमें चार सेंचुरी और 48 अर्धशतक शामिल हैं।

मौजूदा IPL सीजन में अय्यर ने 13 पारियों में 55.33 की औसत और 168.01 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 101* है। पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए अय्यर ने 31 मैचों की 30 पारियों में 52.47 की औसत और 172 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1102 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं।

मैच की बात करें तो PBKS ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जोश इंग्लिस (44 गेंदों में 72 रन, 9 चौके और दो छक्के), आयुष बडोनी (18 गेंदों में 43 रन, 5 चौके और 3 छक्के) और अब्दुल समद (20 गेंदों में 37* रन, तीन चौके और तीन छक्के) की तूफानी पारियों की बदौलत टीम 20 ओवरों में 196/6 के स्कोर तक पहुंच गई। PBKS की तरफ से युजवेंद्र चहल (2/25) और मार्को जानसेन (2/33) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर (51 गेंदों में 101* रन, 11 चौके और 5 छक्के) और प्रभसिमरन सिंह (39 गेंदों में 69 रन, सात चौके और दो छक्के) टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने टीम को एक बेहद जरूरी जीत दिलाई जिससे उनकी लगातार छह मैचों की हार का सिलसिला टूट गया। टीम ने 7 विकेट और दो ओवर शेष रहते यह जीत हासिल की।

PBKS पॉइंट्स टेबल में 7 जीत और छह हार के साथ 15 अंकों के साथ चौथे स्थान पर वापस आ गई है। अगर आज राजस्थान रॉयल्स (RR) मुंबई इंडियंस (MI) को हरा देती है तो PBKS टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी और RR 16 अंकों के साथ चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर लेगी। अगर RR हार जाती है, तो कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को दिन के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स (DC) को बड़े अंतर से हराना होगा ताकि वे नेट-रन-रेट के मामले में PBKS से आगे निकल सकें और 15 अंकों के साथ उनकी बराबरी करके चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर सकें। अब पंजाब किंग्स की किस्मत इन दो मैचों पर निर्भर है।

आईपीएम की चौथी टीम के लिए रॉयल्स सबसे बड़ी दावेदार

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में जहां प्लेऑफ के लिए लिए पहले तीन स्थान तय हो गये हैं। वहीं चौथे स्थान के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच मुकाबला है। इन तीनों में से, राजस्थान रॉयल्स की दावेदारी सबसे मजबूत है। उसके पास अपने बल पर प्लेऑफ में पहुंचने का सबसे अच्छा अवसर है। यदि राजस्थान मुंबई इंडियंस (एमआई) को हरा देती है, तो सीधे शीर्ष 4 में पहुंच जाएगी। वहीं अगर वह यह मैच हार जाते हैं, तो बाहर हो जाएगी। ऐसे में चौथे स्थान के लिए पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच टक्कर होगी और इसमें नेट रन रेट से फैसला होगा। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए प्लेऑफ्स का रास्ता थोड़ा जटिल है और कई समीकरणों पर निर्भर करता है। उन्हें न सिर्फ अपने आखिरी मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को हर हाल में हराना होगा, बल्कि यह भी उम्मीद करनी होगी कि मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स को हरा दे। वहीं पंजाब किंग्स पहले ही अपने सभी लीग मुकाबले खेल चुकी है और उसके 15 अंक हैं।